RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 19 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 29 डिग्री
न्युनतम तापमान 18 डिग्री

रविवार 02 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :34 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 35 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 016 | गाजियाबाद, रविवार 02 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़

10 की मौत

ज्यादा भीड़ से रेलिंग टूटी, महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे, लोग रौंदते गए

श्रीकाकुलम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार भारी भीड़ के दौरान धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। भगदड़ के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं, बच्चे और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रेलिंग गिर गई और लोग भीड़ से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे। वहीं, हादसे ही बाद के वीडियो में लोग भीड़ में दबी महिलाओं और बच्चों को बाहर निकालते दिखे। महिलाएं भगदड़ वाली जगह पर इधर-उधर बेसुध पड़ी दिखाई दीं। लोगों ने भीड़ में से महिलाओं को उनके हाथ-पैर पकड़कर खींचते दिखाई दिए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री अनीता ने बताया कि मंदिर

में हर हफ्ते करीब 1500 से 2000 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। आज एकादशी होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक थी। उन्होंने बताया कि मंदिर पहली मंजिल पर स्थित है।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने भी हादसे पर जताया दुख

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वेंकटेश्वर मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर हुई यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है और इससे वे व्यक्तिगत रूप से भी व्यथित हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सीएम ने आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा, काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना से मुझे गहरा आघात पहुंचा है। इस हादसे में श्रद्धालुओं की मौत अत्यंत दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

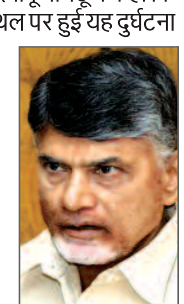

पीएम मोदी ने जताया दुख, सहायता राशि का ऐलान

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही पीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायल व्यक्तियों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हों।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का फाइनल आज

भारत-साउथ अफ्रीका में से कौन बनेगा चैंपियन, होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का फाइनल कल 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए पहला विश्व खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम की मार पड़ने की आशंका है क्योंकि हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। आईसीसी के नियमों के

अनुसार फाइनल के लिए एक रिजर्व डे रखा गया है लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैच उसी दिन पूरा हो जाए भले ही ओवर कम करने पड़े। अगर किसी भी तरह से मैच पूरा नहीं हो पाता है तो रिजर्व डे पर खेला जाएगा। अगर दोनों दिन बारिश के कारण मैच नहीं हो पाता है तो दोनों टीमें संयुक्त विजेता घोषित की जाएंगी। मुंबई का माहौल इस समय काफी गरमाया हुआ है। 74 फीसदी नमी, 31सेंटीग्रेट तापमान और 18 केपीएच की हवा के साथ-साथ, दोनों टीमों के बीच अपने पहले विश्व खिताब को जीतने की जबरदस्त उम्मीदें भी हवा में हैं।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

- आर्मी चीफ बोले-किसी निर्दोष को भी नहीं पहुंचाया नुकसान

जनरल द्विवेदी बोले-ऑपरेशन सिंदूर धर्म युद्ध, यह जारी रहेगा

सतना (एजेंसी)। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को सतना में हैं। वे 53 साल बाद अपने बचपन के स्कूल सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। आर्मी चीफ ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर एक धर्म युद्ध था, यह आगे भी जारी रहेगा। हमने किसी भी निर्दोष को नुकसान नहीं पहुंचाया, न ही नमाज या किसी भी धार्मिक प्रार्थना के समय हमला किया। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि 1971-72 में चौथी क्लास में इस स्कूल में पढ़े हैं। इतने सालों बाद अपने स्कूल लौटकर वह भावुक हो गए। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। सिद्धांत और तकनीक के संयोजन से मिशन सफल हुआ। पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि हम धर्म युद्ध के अनुयायी हैं और आगे भी यही नीति अपनाएंगे। स्कूल के दिनों में सीखी निर्णय क्षमता ने उन्हें सेना में कई सफलताएं दिलाईं। चौथी कक्षा में यहीं से निर्णय लेने की क्षमता मिली, इसी ने ऑपरेशन सिंदूर में निर्णायक सफलता दिलाई। यह वही स्कूल है, जिसने उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र सेवा के संकल्प को मजबूत किया। जनरल द्विवेदी ने छात्रों से कहा, सफलता की नींव विद्यार्थी जीवन में ही रखी जाती है। उन्होंने सफलता का मंत्र थ्री ए बताया। उन्होंने कहा कि एटीट्यूड से सकारात्मक दृष्टिकोण और पॉजिटिविटी आती है। एडाप्टीबिलिटी से आप अपने अंदर समय के साथ बदलाव ला सकते हैं और एबीलिटी आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगी।

आतंकियों के फन कुचलने का हो गया इंतजाम!

- रात में आर्मी के सैन्य अभ्यास का खुल गया राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए भारत अब नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत भारतीय सेना न्यू नॉर्मल के दिशा-निर्देश को फॉलो कर रही है। न्यू नॉर्मल वह सिचुएशन है, जिसमें किसी भी तरह की आतंकी गतिविधि

को युद्ध की कार्रवाई माना जाता है। इससे भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ चार्टर के आर्टिकल 51 के इस्तेमाल का भी हक मिल गया है। यह आर्टिकल आत्मरक्षा के हक के लिए है। इस तरह अब अगर किसी ने भी भारत के खिलाफ आतंकी हरकत करने की कोशिश की तो भारत बड़ी आसानी से कुचल सकेगा।

मैं डरने वाला नहीं हूं, चुनाव प्रचार में बिहार जाऊंगा

- जान से मारने की मिली धमकी के बाद बोले सांसद रवि किशन

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी के गोरखपुर से सांसद रवि किशन के निजी सचिव के फोन पर रवि किशन को जान से मारने की धमकी दी गई थी, तब से लेकर मामला बेहद गर्म हो चुका है। अब सांसद रवि किशन ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा किना तो मैं डरूंगा और ना ही झुकूंगा, चाहे इसके लिए मुझे कोई भी कीमत चुकानी पड़े मेरी मां और प्रभु श्री राम के लिए अपशब्द कहे गए हैं, यह कतई बर्दाश्त लायक नहीं। दरअसल, गुरुवार की देर रात खुद को बिहार के आरा जिला निवासी बताते हुए अजय कुमार यादव नामक एक सख्स ने गोरखपुर के सांसद रवि किशन के निजी सचिव शिवम दुबे के फोन पर कॉल किया और धमकी देते हुए कहा कि रवि किशन यादवों और राजद प्रत्याशी खेसारी लाल के खिलाफ लगातार गलत बयान बाजी कर रहा है। वह बिहार आए उसे गोली मार दूंगा। यह खबर सुन रवि किशन भड़क गए।

पाकिस्तानी एजेंट हैं गोगोई, मैं साबित करके दिखाऊंगा

असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दे डाली चुनौती

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद पर उन्हें पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए करारा हमला बोला है। सरमा ने कहा कि विदेशी ताकतों ने उन्हें अपने फायदे के लिए भारत में प्लांट किया है। सरमा ने चुनौती देते

हुए कहा कि अगर गोगोई के अंदर दम है तो मानहानि का मुकदमा करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि गायक जुबिन गर्ग के परिवार को न्याय दिलवाने के बाद वह अपने इन आरोपों को भी साबित करके दिखाएंगे। सरमा ने कहा, गौरव गोगोई पाकिस्तानी एजेंट हैं। मेरे पास इसके सबूत हैं। उन्हें हमारे देश में विदेशी ताकतों ने प्लांट किया है। मैं तथ्यों के साथ यह बात कह रहा हूं। मैं एक दिन इसे साबित कर दूंगा।

चरम पर पहुंचा प्रचार बिहार में आर-पार

शाह बोले-यह बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव

प्रियंका ने कहा-महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है।बिहार में महिलाएं असुरक्षित हैं।

शाह बोले-हम बंद चीनी मिलों को चालू करेंगे - गोपालगंज में करीब 5 मिनट के अपने भाषण में शाह ने कहा,पीएम ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बिहार की बाकी बंद पड़ी चीनी मिल को अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। ये चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने सालों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र जी और नीतीश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा। साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।

प्रियंका बोलीं-प्रचार में मर्डर हो रहा, उद्योगपति मारे जा रहे

बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने शनिवार को सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है। उद्योगपतियों की हत्या हो रही है। हाल में चुनाव प्रचार में नेता की हत्या कर दी गई। महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि 20 सालों से बिहार में एनडीए की सरकार है। आपको आपके अधिकार नहीं दिए गए। आपको बांटने की राजनीति की। देशभर में झूठा राष्ट्रवाद दिखाया गया। हाल में इन लोगों ने एसआईआर करवाकर 65 लाख वोट काट दिए। इसके कटने का मतलब क्या है। आपके अधिकार कट रहे हैं। आपको कमजोर किया जा रहा है। इससे आपको सरकारी फायदे नहीं मिलेगा। इन लोगों ने हर चीज पर टैक्स लगा रखा है। बड़े-बड़े उद्योग अपने दोस्तों को दे रखे हैं। इन लोगों ने प्राइवेटाइजेशन कर दिया है। सब ठेके पर हो रहा है। मोदी जी अपने 2 दोस्तों को सारी सरकारी कंपनियां दे दी हैं। मोदी जी मंच पर आकर कहते हैं सरकार बना दो करोड़ों नौकरी देंगे। अरे इससे पहले क्यों नहीं नौकरी दी गई। आप क्या कर रहे थे अब तक। किसानों को लूट रहे हैं। बिजनेस खत्म कर रहे हैं। इनके हाथों में कुछ नहीं बचा है। जो आपका था वो ये लोग अपने दोस्तों को दे चुके हैं।

सड़क पर फेंका कचरा तो वापस आएगा आपके घर

बेंगलुरु शहर में सफाई की 'रिटर्न गिफ्ट' मुहिम शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। गली में घर का कचरा फेंकने वालों को सबक सिखाने के लिए बेंगलुरु नगर निगम ने अनोखा उपाय निकाला है। यहां पर खासतौर पर 'रिटर्न गिफ्ट' मुहिम चल रही है। यहां पर जो भी व्यक्ति गली में कचरा फेंकेगा, कचरा वापस उसके घर में फेंक दिया जाएगा। ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी ने यह फैसला किया है। अथॉरिटी 'गारबेज डंपिंग फेस्टिवल' मना रही है। इसके तहत उन लोगों को

सबक सिखाने की कोशिश की जा रही है, जो घर का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। इसका मकसद शहर में सफाई अभियान को बेहतर करना है। बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड (बीएसडब्लूएमएल) के सीईओ करिगौड़ा ने इसके बारे में जानकारी दी। एनडीटीवी के मुताबिक बेंगलुरु में हमारे पास करीब 5000 ऑटो हैं। यह सभी घर-घर जाकर सूखा और गीला कचरा इकट्ठा करते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग सड़क पर कचरा फेंकते हैं। करिगौड़ा ने बताया कि हमें ऐसे वीडियो मिलते हैं, जिसमें लोग सड़क पर कचरा फेंकते नजर आते हैं। इसके अलावा हमने निगरानी के लिए सीसीटीवी भी लगवा रखे हैं। करिगौड़ा ने बताया कि लोगों को जागरूक करने के लिए हमने रिटर्न गिफ्ट देने का फैसला किया है।

राजस्थान में 108 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश

- हिमाचल में तापमान-1.2 डिग्री,देश में कड़ाके की सर्दी में देर,नवंबर में बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में 108 सालों के बाद 2025 में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। राज्य में जुलाई से सितंबर तक, 715.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले साल 1917 में मानसून सीजन के दौरान सबसे ज्यादा 844.2 बारिश हुई थी। हिमाचल प्रदेश में भी बारिश ने अक्टूबर महीने में नए रिकॉर्ड बनाए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल में इस साल अक्टूबर में 2005 के बाद सबसे ज्यादा बारिश, 68.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य औसत 25.1 मिमी से 173 फीसदी ज्यादा है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हिमाचल में 4 नवंबर और 5 नवंबर को बारिश या बर्फबारी की संभावना है।

अजीत डोभाल बोले-सिर्फ जम्मू और कश्मीर तक रहा सीमित

देश में 2013 के बाद नहीं हुआ कोई बड़ा आतंकी हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एनडीए अजीत डोभाल ने सरदार पटेल मेमोरियल लेक्चर में देश की सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि 2013 के बाद से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि तथ्य तो तथ्य हैं, और इन पर कोई विवाद नहीं हो सकता. इस देश में आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। 1 जुलाई, 2005 को आतंकवाद की एक बड़ी घटना हुई थी, और आखिरी घटना 2013 में देश के अंदरूनी इलाकों में हुई थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर को छोड़कर पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान को संबोधित करते

हुए एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर को छोड़कर देश के अंदरूनी इलाकों में कोई आतंकी हमला नहीं हुआ है, हालांकि 'दुश्मनों' ने अपनी गतिविधियां जारी रखी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद से वामपंथी उग्रवाद में तेजी से कमी आई है। दुश्मन बहुत सक्रिय रहे हैं, लेकिन सौभाग्य से, और यह देश के लिए सौभाग्य की बात है कि हम कह सकते हैं कि हमारे भीतरी इलाकों में कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद 2014 की तुलना में 11 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रों में सिमट गया है। जिन जिलों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित घोषित किया गया था, उनमें से अधिकांश को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। एनएसए अजीत डोभाल ने आगे कहा कि भारत ने प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली है, जिसका अर्थ है कि वह आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षा संबंधी खतरों का जवाब दे सकता है।

बालों में केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

हर महिला सिल्की और शाइनी बाल चाहती है। कुछ महिलाओं के बाल नेचुरली स्ट्रेट होते हैं, उन्हें सीधा कराने की जरूरत नहीं होती है। वहीं कुछ बालों को स्ट्रेट करने के लिए हेयर स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। लगातार स्ट्रेट कराने से बालों की क्वालिटी खराब हो जाती है। ऐसे में बालों को स्ट्रेट और शाइनिंग रखने के लिए केराटिन ट्रीटमेंट करा सकते हैं। केराटिन आपके स्ट्रेट बालों को डैमेज होने से बचाता है। इसके अलावा आपके बाल हमेशा सेट नजर आते हैं। इन दिनों केराटिन ट्रीटमेंट लड़कियों के बीच खूब पॉपुलर हुआ है। हालांकि ट्रीटमेंट के बाद बालों की अच्छे से देखभाल नहीं करते हैं तो बाल जल्दी ही डैमेज होने लगते हैं।

केराटिन ट्रीटमेंट एक तरह का प्रोटीन चेन है जो बालों के टेक्सचर को ठीक करने में मदद करता है। हमेशा किसी एक्सपर्ट्स से इस ट्रीटमेंट को करवाना चाहिए। इस ट्रीटमेंट को कराने के बाद भी बालों का खास खयाल रखना होता है। आइए जानते हैं इन टिप्स के बारे में

पहले हफ्ते में इन बातों का रखें ध्यान

केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद बालों को कम से कम दो से तीन तक न धोएं। ऐसा करने से बालों में ट्रीटमेंट कम हो जाता है। ट्रीटमेंट के 48 घंटे तक बालों में किसी तरह की गुथ या चोटी नहीं बनानी है। ऐसा करने से ट्रीटमेंट खराब हो सकता है क्योंकि ये परमानेंट नहीं है।

केराटिन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें

केराटिन ट्रीटमेंट के 4 या 5 दिन बाद शैंपू कर सकते है। इस दौरान केराटिन प्रोटीन शैंपू, कंडीशनर और केराटिन हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आप इन प्रोक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करते है तो बाल झड़ने लगते हैं।

हेयर स्पा जरूरी

केराटिन ट्रीटमेंट के बाद टाइम टू टाइम हेयर स्पा करवाना जरूरी होता है। इससे बालों की क्वालिटी खराब नहीं होती है और डैमेज भी होने से बचे रहते हैं। इस ट्रीटमेंट के बाद बालों को कम से कम फोल्ड करें।

कंडीशनर का इस्तेमाल न करें

केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद बाल अधिक ऑयली और ग्रीसी हो जाते हैं, इसलिए बालों को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। आप केराटिन कराते समय अपनी हेयर स्टाइलिस्ट से इस बारे में पहले ही बात कर लें। केराटिन कराने के बाद इन टिप्स को फॉलो करना जरूरी है, वरना बाल आसानी से डैमेज हो सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार करें त्वचा की देखभाल

आयुर्वेद का जन्म भले ही भारत में हुआ हो, लेकिन इसने पूरे विश्व में अपने नैसर्गिक, सर्वांगीण उपचार से अपनी पहचान क़ायम कर ली है. आयुर्वेद के अनुसार त्वचा सेहत की खिड़की है और इस तथ्य से मुख्यधारा का विज्ञान भी सहमत है. भले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांवली रंगत को पसंद किया जाता हो, लेकिन भारतीय त्वचा की अपनी समस्याएं हैं, जैसे-पिग्मेंटेशन, लाल चकत्ते (स्ट्रॉबेरी स्किन) और हाइपरकेरैटॉसिस. किसी भी त्वचा का उपचार करने की दिशा में सबसे पहला क़दम होगा अपनी त्वचा को जानना. आयुर्वेद लोगों को तीन दोषों में विभाजित करता है: वात, पित्त और कफ़. यह संभव है कि आप में दो दोषों का संयोजन हो. इन कुछ आसान से सवालों का जवाब देकर अपने दोष का प्रकार जानकर अपनी त्वचा की ज़रूरतों को समझ सकती हैं:

आपकी त्वचा का प्रकार है...

a. शुष्क, b. संवेदनशील, c. ऑयली

आपके बाल कैसे हैं?

a. पतले और रूखे, b. सामान्य, c. मोटे

इनमें से आपके व्यक्तित्व की विशेषता क्या है?

a. कलात्मकता, b. नेतृत्व क्षमता, c. दयालुता

आपके शरीर का प्रकार क्या है?

a. पतला, b. सामान्य, c. मोटा

आप आमतौर पर कितने घंटे की नींद लेती हैं?

a. पांच से छह घंटे, b. आठ घंटे, c. आठ घंटे से ज़्यादा

आपके चेहरे का आकार कैसा है?

a. दुबला-पतला, b. अंडाकार/ इकहरा, c. गोल और भरा हुआ

आपको कितना पसीना आता है?

a. मध्यम, b. बहुत अधिक और दुर्गंधयुक्त c. हल्का

ज़्यादातर a: आप वात दोष के अंतर्गत आती हैं. डॉ चंदन एमसी, सीनियर आयुर्वेद फ़िजिशन, आनंदा-इन द हिमालयास के अनुसार,''गर्म तेल से मसाज करना त्वचा को चिकना बनाए रखने में मदद कर सकता है. दिमाग़ और शरीर दोनों की ऊर्जा बनाए रखने के लिए ख़ूब आराम करें.''

ज़्यादातर b: आप पित्त दोष में आती हैं. डॉ चंदन कठोर और सिन्थेटिक कॉस्मेटिक्स से दूर रहने की सलाह देते हैं, क्योंकि आपके दोष के अनुसार आपको मुहांसे होने की संभावना ज़्यादा रहती है. धूप में निकलने से पहले पूरी तैयारी कर लें.

ज़्यादातर c: आपका प्रकार कफ़ दोष है. अपनी मोटाई और तैलीय गुणों के चलते इस प्रकार के अंतर्गत आनेवाली त्वचा में टॉक्सिन्स इकट्ठा होने की ज़्यादा संभावना रहती है. दिन में दो बार अपनी त्वचा को क्लेज़ करें और सप्ताह में एक बार मड पैक लगाएं.

यह संभव है कि जन्म के वक्त आपकी त्वचा का प्रकार कुछ और हो और समय के साथ मौसम, डायट और जीवनशैली से जुड़ी आदतों या प्रदूषण-जैसे, बाहरी तत्वों के प्रभाव से आगे चलकर आपकी त्वचा का प्रकार बदल जाए.

दौड़ते समय हो रही सांस लेने में तकलीफ तो अपनायें ये टिप्स

आपकी गतिविधियों और परिश्रम के बढ़ने के चलते आपको हवा में हांफना पड सकता है, जो कि काफी सामान्य है। खासकर जब आप एक लंबे ब्रेक के बाद फिर से शुरूआत कर रही हों, या अपनी गति को बढ़ा रही हों। तेजी से सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है, व्यायाम के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड के निर्माण स्तर को कम करने की आवश्यकता होती है। एक बार जब शरीर में ऑक्सीजन की मांग पूरी हो जाती है, तो हमारी सांस सामान्य रूप से वापस आ जाती है। अधिक परिश्रम या ऊचांई पर दौड़ने से भी सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लेकिन अगर आपकी सांस की समस्या लगातार बनी रहती है, तो ऐसे में आपको अपने डॉक्टर से परामर्श लेने की आवश्यकता होती है। क्योंकि यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। इसलिए हम आपको इससे राहत पाने के लिए कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिससे कि रनिंग के दौरान आपको सांस लेने में समस्याओं का सामना न करना पड़े।

वार्म-अप करें

वार्म-अप किसी भी वर्कआउट रूटीन का एक अनिवार्य हिस्सा है, जब आप दौड़ रही होती हैं। तो उस दौरान अपनी गति बढ़ाने से पहले 10-15 मिनट तक स्ट्रेचिंग और हल्की जॉगिंग से मैदान पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और सांस फूलने की समस्या दूर होगी। वार्मअप करने से आपके शरीर का तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है। जो शरीर को आसानी से कठोर अभ्यास करने के लिए तैयार करता है। सर्दियों में, ठंडी और शुष्क हवा के कारण वायुमार्ग संकुचित हो जाता है। जिससे सांस लेने में अधिक मुश्किल होती है। ऐसे में वार्म-अप करने से आपको इस समस्या से राहत पाने में मदद मिल सकती है।

श्वास तकनीक का अभ्यास करें

यह सुनिश्चित करने के लिए कि दौड़ते समय आपके फेफड़े शरीर द्वारा आवश्यक ऑक्सीजन ग्रहण कर सकते हैं, इसके लिए कुछ सांस संबंधी एक्सरसाइज करें। सांस संबंधी एक्सरसाइज का अभ्यास करने से आपको फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आपके फेफड़े अधिक ऑक्सीजन ग्रहण करने में सक्षम होंगे।

इसके लिए आप डायाफ्रामिक ब्रीथिंग अल्टरनेट नोस्ट्रिल ब्रीथिंग या नाड़ी शोधन और पर्स्ड-लिप्स ब्रीथिंग और इसके अलावा भी कई अन्य एक्सरसाइज को कर सकती हैं।

लयबद्ध तरीके से सांस लें

एक्सरसाइज करते समय सांस लेने का नियम यह है कि इसे आप अपने मूवमेंट के साथ मिलाएं। एक लयबद्ध पैटर्न (rhythmic pattern) में सांस लेने से आपका शरीर अधिक ऑक्सीजन ग्रहण कर सकता है और आपके शरीर के तनाव को भी कम कर सकता है। इसलिए अपनी एक्सरसाइज के साथ सांस को अंदर लें और छोड़ें। दौड़ते समय आप 3:2 श्वास पैटर्न का पालन कर सकती हैं। आप अपनी गति के अनुसार पैटर्न बदल सकती हैं। जब आप दौड़ रहे हों, तो ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी नाक के साथ-साथ अपने मुंह से सांस लें।

पेट, किडनी, लिवर की बीमारियों के लिए शहद-लौंग

लौंग के पोषक तत्व

लौंग को मसाले के रूप में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसमें कई बीमारियों का इलाज करने की क्षमता होती है। लौंग में मैंगनीज, विटामिन के, आयरन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर पाए जाते हैं।

शहद के पोषक तत्व

अगर बात करें शहद की तो इसमें भी प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, सोडियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व भरे हुए हैं, जो शरीर को रोगों से दूर रखने की क्षमता रखते है।

लौंग और शहद के फायदे

गले की खराश के लिए शहद और लौंग

चिपचिपा होने के कारण शहद गले की खराश को कम करता है और कफ खत्म करने का काम करता है। गले में खराश अक्सर संक्रमण से जुड़ी होती है इसलिए लौंग और शहद को मिलाने से इंफेक्शन और संक्रमण से जुड़े दर्द से राहत मिलती है। यह विधि ग्रसनीशोथ के खिलाफ भी बहुत प्रभावी है।

माउथ अल्सर के लिए शहद और लौंग

लौंग एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक एजेंट है। लौंग मुंह के छालों के कारण दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है। लौंग और शहद मिश्रण मुंह के छालों के उपचार के लिए बेहतर तरीके से काम करता है।

लिवर के लिए लौंग और शहद

लौंग में मौजूद यौगिक 'यूजेनॉल' लिवर के लिए फायदेमंद है। लिवर का कामकाज सुधारने के अलावा, लौंग सूजन को कम करके फैटी लिवर की बीमारी से बचा सकता है। यह लिवर स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

इम्यून पावर बढ़ाने में मददगार

शहद और लौंग का मिश्रण इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। इन दोनों चीजों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर शरीर को सर्दी-खांसी जैसे इंफेक्शन से बचाने में सहायक होते हैं।

इंफेक्शन से बचाने में सहायक

इन दोनों में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई इंफेक्शन से बचाए रखते है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉइड्स हार्ट की बीमारियों से बचाए रखता है। इसके अलावा इसमें इसमें कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जो एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं।

लाल केले के फायदे

अक्सर आपने बाजार में पीले और हरे केले बिकते हुए देखे होंगे। लेकिन क्या आपने कभी लाल केला खाया है? लाल केले के बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। पीले केले हमारी सेहत के लिए अच्छे होते हैं लेकिन लाल केले के अलग-अलग फायदे हैं। लाल केले पीले केले से आकार में छोटे होते हैं। आज हम आपको लाल केले के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लाल केला हमारी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों की आंखों की रोशनी खराब है या जिनकी आंखें खराब हैं वे इसका उपयोग कर सकते हैं।

यदि आप दोपहर के भोजन के बाद अक्सर सो जाते हैं, तो इस विधि को अपनाने की कोशिश करें, शरीर ताज़ा हो जाएगा।

लाल केले पोटैशियम से भरपूर होते हैं, जो कैंसर और किडनी की समस्याओं को ठीक करता है। यह बहुत कम कैलोरी वाला भोजन है। यही कारण है कि यह वजन घटाने के लिए इतना अच्छा साबित होता है। इसे खाने से आपका पेट भर जाता है और आपको भूख कम लगती है।

लाल केला खाने से आपका रक्तचाप भी नियंत्रण में रहता है। अगर आपका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है तो आप इसके लिए लाल केला खा सकते हैं। लाल केला खाने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

आज की रेसिपी

रशियन सलाद

जूसी, खट्टे फलों के साथ रिफ्रेशिंग खीरा, पत्तागोभी और ढेर सारे मसालों के कॉम्बिनेशन से तैयार किया जाता है. गाढ़ी दही इसे परफेक्ट रशियन सैलेड को तैयार करके किसी भी चीज के साथ सर्व किया जा सकता है.

सामग्री :

- 1 कप गाढ़ा दही
- 1 मीडियम आलू (उबला हुआ)
- 1/2 सेब
- 1/3 कप अनानास के टुकड़े
- 2 टेबल स्पून अनार के दाने
- 2 टेबल स्पून हरे अंगूर
- 1/2 छोटा खीरा
- 2 टेबल स्पून पत्तागोभी, कद्दूकस
- 2 टी स्पून चीनी
- 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर
- नमक

विधि :

- एक बाउल में दही, चीनी, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर सलाद की ड्रेसिंग तैयार करें.
- अब छीलकर उबले हुए आलू और सेब को छोटे टुकड़ों में काट लें.
- खीरे को कद्दूकस कर लें. इसे निचोड़ कर पानी निकाल दें.
- एक बाउल में सेब, अनानास के टुकड़े, अंगूर, अनार के दाने, कद्दूकस की हुई पत्तागोभी और खीरे को मिलाएं.
- अब मिश्रित फलों और सब्जियों पर तैयार सलाद ड्रेसिंग डालें. ड्रेसिंग के साथ सभी चीजों को अच्छी तरह से टॉस करें ताकि सारी चीजें अच्छी तरह से कवर हो जाएं.
- इसे फ्रिज में कुछ घंटों के लिए रखें, ठंडा परोसें.

विटामिन-ई कैप्सूल के इस्तेमाल करने का सही तरीका

ग्लोइंग स्किन के लिए विटामिन ई कैप्सूल : विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल स्किन पर आसानी से किया जा सकता है। विटामिन ई स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ साथ स्किन को ड्राई होने से बचाता है। विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल रोज रात को सोने से पहले नारियल तेल या फिर बादाम के तेल में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे पर ग्लो देखने को मिलेगा।

सनस्क्रीन की तरह विटामिन ई का यूज : धूप में बाहर जाने से पहले आप विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्किन को सूरज की किरणों से त्वचा को बचाया जा सकता है। रोज रोज आप विटामिन ई का इस्तेमाल ना करें जब तेज धूप हो तभी विटामिन ई का इस्तेमाल करें।

लिपस्टिक से पहले कैप्सूल का इस्तेमाल : सर्दियों में स्किन के साथ साथ लिप्स भी काफी ड्राई हो जाते है। ड्राई लिप्स पर मैट लिपस्टिक लगाने से लिप्स काफी ड्राई हो जाते हैं। मैट लिपस्टिक लगाने से पहले होठों पर विटामिन ई कैप्लूस लगाकर लिप्स की मसाज करें इससे आप होठ मुलायम हो जाएंगे।

डार्क सर्कल्स : डार्क सर्कल्स किसी भी महिला की खूबसूरती को खराब कर देते हैं। अगर आप डार्क सर्कल्स से परेशान है तो रात को सोने से पहले आंखों के आस पास विटामिन ई ऑयल से मसाज करें। ऐसा करने से डार्क सर्कल कम हो जाएंगे।

बालों के लिए : विटामिन ई ना केवल स्किन के लिए फायदेमंद है बल्कि यह बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है। बालों को घन बनाने के लिए विटामिन ई का इस्तेमाल किया जाता है। विटामिन का इस्तेमाल आप नारियल तेल में मिला कर सकते हैं। हेयर वॉश करने के एक दिन पहले बालों में नारियल तेल और विटामिन ई का कैप्सूल मिक्स बालों की अच्छे से मसाज करें।

प्रेगनेंसी में भूल कर भी न खाएं ये फूड

गर्भावस्था के दौरान होने वाली मां को पौष्टिक खाद्य पदार्थ खाने की सलाह दी जाती है। परंतु स्वस्थ आहार खाने के अलावा गर्भवती माताओं को कुछ विशेष पदार्थ खाने से बचना चाहिए। मां जो कुछ भी खाती है उसका सीधा प्रभाव उसके बच्चे पर पड़ता है, इसलिये उसे कुछ भी उल्टा पुल्टा खाने से पहले डॉक्टर से जानकारी ले लेनी चाहिये। हमने आपको कई लेखों में बताया है कि अगर आप मां बनने वाली हों तो, अपनी डाइट में क्या क्या शामिल करें। पर आज हम आपको कुछ ऐसे पदार्थ बताएंगे जो आपको प्रेगनेंसी के दौरान नहीं खाने चाहिये। निषिद्ध खाद्य पदार्थ खतरनाक हो सकते हैं और गर्भपात हो सकता है। यहाँ कुछ खाद्य पदार्थ दिए गए हैं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान खाने से बचना चाहिए।

कैफीन : अगर आप कैफीन के बिना कोई काम नहीं कर सकती तो दिन मे सिर्फ दो कप कैफीन ही लें। सबसे अच्छा यह है कि आप कॉफी से पूरी तरह दूरी बना लें। मुंबई की आहार विशेषज्ञ दीपशिखा अग्रवाल कहती हैं, गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मात्रा में कैफीन लेना, खासकर पहले तीन महीने के दौरान, मिसकरेज और भ्रूण की दूसरी समस्याओं को जन्म दे सकता है। बेहतर होगा कि आप इसका सेवन संयमित मात्रा में करें।

जंक फूड : प्रेगनेंट महिलाओं को बाहर का जंक फूड नहीं खाना चाहिये खास तौर वह जिसमें मैदा मिला हो। स्ट्रीट फूड से इंफैक्शन का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप ऐसे भोजन खाकर बीमार पड़ जाते हैं तो आपको दवाई का सहारा लेना पड़ेगा। सारे दवाई गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए अच्छे नहीं होते हैं। इसलिए जहां तक हो सके स्ट्रीट फूड से दूर ही रहें। इतना ही नहीं गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का इम्युनिटी आमतौर पर सामान्य से कम हो जाता है। इंफैक्शन का शिकार हो जाती हैं।

कच्चे स्प्राउट्स : स्प्राउट्स काफी हेल्दी होते हैं। लेकिन बिना पके हुए स्प्राउट्स प्रेगनेंट औरत के लिये अच्छे नहीं माने जाते। कच्चे स्पाउडस में आपको साल्मोनेला जैसा जीवाणु मिल सकता है। यह बीज से अच्छी तरह से धुला नहीं जा सकता। यह केवल पकाने के बाद ही हटाया जा सकता है।

शराब : शराब का यदा-कदा सेवन करने से कोई परेशानी नहीं होती है। पर अगर आप ज्यादा मात्रा में शराब का सेवन करेंगे तो आपको इससे होने वाली समस्या से सावधान रहना चाहिए। दीपशिखा महिलाओं को चेताते हुए कहती हैं कि गर्भावस्था के दौरान बहुत अधिक मात्रा में शराब पीने से बच्चा और उनके दिमाग का विकास ठीक से नहीं होता है।

ऑइली खाने से बचें : गर्भवती महिलाओं को आपने खाने का बहुत ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। जितना हो सके ऑयली और जंक फ़ूड से दूर रहें, क्योंकि इनमें नमक और शक्कर अधिक मात्रा में होता है और बहुत सारे प्रीजर्वेटिव केमिकल्स भी मौजूद रहते हैं जो गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चे पर बुरा असर डाल सकते हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने पर पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की चमन विहार कॉलोनी में 21 अक्तूबर को युवक ने आत्महत्या की थी। मृतक की मां ने दस दिन बाद बेटे की पत्नी समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की चमन विहार कॉलोनी में रहने वाले 38 वर्षीय मुकेश शर्मा का विवाह सात वर्ष पूर्व कॉलोनी निवासी निपुण शर्मा से हुआ था। मां सविता ने बताया कि विवाह के बाद पुत्रवधू बेटे को परिवार से अलग रहने के लिए कहती थी, जिसके लिए बेटा तैयार नहीं था। इसी के चलते वधू की मां सुधा शर्मा, पिता जगदीश शर्मा, भाई दिशू शर्मा और भाभी नीतू शर्मा विवाद कर बेटे को प्रताड़ित करते थे। ससुराल वालों ने तीन लाख रुपए उधार लिए थे। रकम मांगने पर पुत्रवधू शादी के गहने और पैसे लेकर मायके चली गई। जब बेटा उसे लेने मायके पहुंचा तो ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर भगा दिया, जिसके बाद 21 अक्तूबर को पत्र लिखकर उसने कमरे में आत्महत्या कर ली। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर पत्नी समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्कूटी सवार युवक को तेज रफ्तार कार ने पीछे से मारी टक्कर, गंभीर

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी अंकुर विहार थाना क्षेत्र स्थित दिल्ली सहारनपुर रोड पर शुक्रवार को स्कूटी सवार युवक को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद चालक फरार हो गया। परिजन ने युवक को गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी थाना क्षेत्र की गिरी मार्केट कॉलोनी निवासी नरेंद्र बंसल का पुत्र तर्ष बंसल शुक्रवार को घर से स्कूटी में पाबी सादकपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप से पेट्रोल डलवाने के लिए गया था। उन्होंने बताया कि जब पुत्र दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित रामेश्वर पार्क कॉलोनी के सामने पहुंचा तो भगत सिंह गेट के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। रोड पर गिरने से पुत्र के सिर में गंभीर चोट आई। लोगों ने मामले की सूचना युवक के परिजनों और पुलिस को दी। परिजन गंभीर हालत में युवक को गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका उपचार जारी है। उन्होंने अज्ञात कार चालक के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ित के पिता की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है।

गढ़ मेले में जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए रोडवेज बसों के आज फेरे आज रविवार से बढ़ाए जाएंगे। शनिवार से ही बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। यात्रियों की सहूलियत के लिए शनिवार को निगम ने कौशांबी डिपो के आसपास पानी का छिड़काव भी कराया। कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगास्नान के लिए ब्रज घाट जा रहे हैं। शनिवार से ही श्रद्धालुओं की संख्या बढ़नी शुरू हो गई है। ब्रजघाट के साथ लोग अनूपशहर भी जा रहे हैं। यात्रियों को परेशानी न हो और वे समय से जाकर स्नान कर सकें, इसके लिए रोडवेज की 300 बसों के बराबर फेरे बढ़ाने जाएंगे। रविवार से ही फेरे बढ़ाए जाएंगे। इसके लिए रोडवेज अधिकारियों ने तैयारी कर ली। चालक व परिचालों को इसके लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। कौशांबी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) अंशु भटनागर के अनुसार पहले से जो बसें गढ़ और अनूपशहर के लिए चल रही हैं। उनके अलावा अतिरिक्त फेरों के भी रूट तय किए गए हैं। बुलंदशहर-स्याना वाया गढ़, बुलंदशहर-अनूपशहर, दिल्ली-कौशांबी-गढ़, मुरादनगर-मोदीनगर-हापुड़ वाया गढ़, गाजियाबाद-गढ़ और मोदीनगर-हापुड़ वाया गढ़ के रूट से बसें चलाई जा रही हैं ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को फायदा मिल सके। अतिरिक्त फेरे दो नवंबर से छह नवंबर तक चलाए जाएंगे। एआरएम ने बताया कि शनिवार से ही यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। डिपो के आसपास कराया पानी का छिड़काव आज से कौशांबी डिपो पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ेगी। प्रदूषण के बीच डिपो के आसपास काफी धूल उड़ रही है, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। शनिवार को डिपो के आसपास पानी का छिड़काव कराया गया है। छह नवंबर तक लगातार पानी का छिड़काव किया जाएगा, ताकि धूल से यात्रियों का दम न घुंटे।

सामूहिक शादी योजना में आवेदन की अंतिम तिथि आज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामूहिक विवाह योजना में आवेदन की अंतिम तिथि रविवार को है। समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि योजना में सभी वर्गों के लोगों को लाभ दिया जाता है। योजना में आवेदन आज तक की किए जाने है। योजना के अंतर्गत तीन नवंबर को शादी कराई जानी है। जहां पहले योजना में सरकार द्वारा प्रति शादी पर 51 हजार की धनराशि खर्च की जाती थी,वहीं अब इसके स्थान पर एक लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। योजना में पहले आवेदन कर्ताओं की अधिकतम आय की सीमा दो लाख थी, वहीं उसके स्थान पर अब आय की सीमा को बढ़कर तीन लाख रुपये किया गया है। योजना में 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में डाले जाएंगे और कन्या के वस्त्र, आभूषण, गिफ्ट इत्यादि पर 25 हजार रुपये खर्च किए जाने है। इसके अलावा 15 हजार रुपये शादी के आयोजन पर खर्च किए जाएंगे। बता दें कि योजना में विभाग को वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 250 शादियां कराने का लक्ष्य मिला है। इस बार शादी कराने के लिए 42 आवेदन आ चुके है। योजना में कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तो वहीं वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष हो। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग के आवेदकों का जाति प्रमाण पत्र का होना अनिवार्य किया गया है। योजना में कन्या के अलावा विधवा ,तलाकशुदा महिलाओं को भी शामिल किया गया है।

लखनऊ की अवधी पाककला को मिली यूनेस्को पहचान

नवाबों का शहर हुआ रचनात्मक शहरों में शामिल

लखनऊ , एजेंसी।
नवाबों के शहर लखनऊ, जो अपने अवधी व्यंजनों, स्थापत्य कला के चमत्कारों और काव्यात्मक अतीत के लिए जाना जाता है, ने अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। विश्व नगर दिवस (शुक्रवार) पर, उज़्बेकिस्तान के समरकंद में यूनेस्को महाधिवेशन के 43वें सत्र के दौरान, उत्तर प्रदेश की राजधानी को आधिकारिक तौर पर यूनेस्को का 'रचनात्मक पाक-कला शहर' घोषित किया गया, जिससे यह शहर 70 वैश्विक पाक-कला केंद्रों में शामिल हो गया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पाक-कला पर्यटन लंबे समय से पर्यटकों को राज्य की ओर आकर्षित करता रहा है और यह दर्जा राज्य को इस क्षेत्र को और आगे बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'पाक-कला पर्यटन पीढ़ियों से उत्तर प्रदेश में

पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है और आने वाले वर्षों में राज्य में इस क्षेत्र का नेतृत्व करने की अपार क्षमता है। '

राज्य के पर्यटन निदेशालय ने 31 जनवरी, 2025 को संस्कृति मंत्रालय को लखनऊ का नामांकन प्रस्तुत किया और भारत सरकार ने 3 मार्च, 2025 को शहर को देश की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना। अधिकारियों ने कहा कि 31 अक्टूबर को यूनेस्को की घोषणा औपचारिक रूप से क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क में शहर के प्रवेश की पुष्टि करती है। प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने कहा कि लखनऊ की खाद्य संस्कृति, शाही रसोई से लेकर रेहड़ी-पटरी वालों तक, लंबे समय से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है और यूनेस्को का टैग इस पहुँच को और बढ़ाएगा। उन्होंने इस क्षेत्र की गति को रेखांकित करने के लिए हाल ही में आए पर्यटकों की संख्या का हवाला दिया: '2024 में, लखनऊ में लगभग 8,274,154 पर्यटक (घरेलू और विदेशी) आए, जबकि 2025 की पहली छमाही में ही 7,020,492 से अधिक पर्यटक आए, जो दर्शाता है कि कैसे भोजन और संस्कृति पर्यटन विकास को गति दे रहे हैं। ' संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने 58 शहरों को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क के नए सदस्य के रूप में नामित किया है। इस सूची में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को ''पाक कला'' श्रेणी में मान्यता दी गई है। यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''भारत के लिए गर्व का क्षण। लखनऊ की समृद्ध पाककला विरासत को अब वैश्विक मंच पर पहचान मिली है!'' प्रतिनिधिमंडल ने कहा, ''विश्व नगर दिवस 2025 (30 अक्टूबर) के अवसर पर लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नामित किया गया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बड़ा खुलासा

भाजपा का 'गुप्त गठजोड़' तेलंगाना के विकास में बाधा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस और भाजपा पर राज्य के विकास कार्यों, विशेषकर हैदराबाद मेट्रो और मूसी पुनरुद्धार परियोजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी पर 'अफवाहें' फैलाने और 'गुप्त संबंधों' के माध्यम से विकास में बाधाएं खड़ी करने का दावा किया, जिसका प्रमाण 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की आठ सीट पर जीत है। यह आरोप जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान लगाए गए, जो चुनावी रणनीति का हिस्सा है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच एक ''गठजोड़'' होने का आरोप लगाया। रेड्डी ने इसके साथ ही बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ ''अफवाहें'' फैलाने और राज्य के विकास में ''बाधाएं'' खड़ी करने का आरोप भी लगाया। रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार वी. नवीन यादव के समर्थन में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए आरोप लगाया कि किशन रेड्डी हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के विस्तार और मुसी पुनर्जीवन परियोजना में बाधा डालकर हैदराबाद के विकास को बाधित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'भाजपा नेताओं के बीआरएस के साथ गुप्त संबंध हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की आठ सीट पर जीत इसका सबूत है।' उन्होंने सवाल किया, क्या दो केंद्रीय मंत्री (किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार) राज्य के लिए कोई धनराशि लेकर आए? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद जुबली हिल्स में चुनाव प्रचार तो कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव को 'जंगलराज' वाली छवि से दूर रखना चाहते हैं लालू

खुद संभाली बैक सीट

पटना, एजेंसी।
राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक और बिहार की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक लालू प्रसाद यादव अब सक्रिय राजनीति से धीरे-धीरे पीछे हटते दिख रहे हैं। वर्तमान विधानसभा चुनावों में पार्टी ने तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है और पूरा चुनाव प्रचार अब उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि पार्टी के पोस्टरों और बैनरों में लालू प्रसाद का नाम या चित्र कहीं नजर नहीं आ रहा। इन पोस्टरों में तेजस्वी को बिहार का नायक बताया गया है, जो सत्ता में आने पर राज्य में बड़ा बदलाव लाने का वादा कर रहे हैं।

हालांकि लालू यादव अभी भी आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, मगर खराब स्वास्थ्य के कारण सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर हैं। उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी हाल में राघोपुर के दौरे पर जरूर गईं, लेकिन

लालू अब तक किसी चुनावी सभा में नजर नहीं आए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह रणनीति सोच-समझकर अपनाई गई है ताकि लालू के शासनकाल से जुड़ी जंगलराज की छवि को पीछे छोड़ा जा सके।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में एक आरजेडी नेता के हवाले से कहा है, 'लालू यादव की तस्वीरें एनडीए को हमें निशाना बनाने का मौका देती हैं। इस बार पूरी योजना तेजस्वी यादव को केंद्र में रखकर बनाई गई है।' फिलहाल लालू यादव सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

स्पैनिश सिंगर एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में 80 से ज्यादा मोबाइल चोरी

मुंबई, एजेंसी।
ग्लोबल स्पैनिश सेंसेशन और सिंगर-राइटर एनरिक इग्लेसियस के मुंबई कॉन्सर्ट में लोगों की दीवानगी साफ देखने को मिली। सिंगर को सुनने के लिए कॉन्सर्ट में 25 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे, लेकिन उसका फायदा जेबकतरों ने खूब उठाया। कॉन्सर्ट देखने आए 80 से ज्यादा लोगों के मोबाइल चोरी हो गए। मुंबई पुलिस ने मामले पर जांच शुरू कर दी है। एनरिक इग्लेसियस के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के एमएमआरडीए मैदान में आयोजित कॉन्सर्ट में हुई चोरी के मामले में अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया और आगे की जांच में जुट गई। पुलिस ने बताया कि अब तक 80 से ज्यादा लोगों के फोन चोरी होने की शिकायत आ चुकी है। पुलिस ने

मामले की जांच शुरू कर दी है। स्पैनिश सिंगर और राइटर एनरिक इग्लेसियस का मुंबई में 29 अक्टूबर को एक ही कॉन्सर्ट होना था, लेकिन कुछ ही घंटों में सिंगर के कॉन्सर्ट के सारे टिकट देखते ही देखते बिक गए और इस वजह से सिंगर का दूसरा शो 30 अक्टूबर को रखना पड़ा।

कॉन्सर्ट की टिकट वीआईपी पास के लिए 14,000 रुपए और जनरल एंट्री के लिए 7,000 रुपए से शुरू थी। दो दिन के कॉन्सर्ट में फैंस की भीड़ को सिंगर के गानों पर थिरकते हुए देखा गया। इतना ही नहीं, बॉलीवुड के बड़े स्टार्स को भी शो में देखा गया। एनरिक इग्लेसियस ने भी अपने सोशल मीडिया पर फैन मूमेंट को कैप्चर किया। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें गाड़ी में बैठी लड़की मुंबई के जाम में फंसी थी, लेकिन वह गाड़ी में बैठे सिंगर को प्यार से निहार रही थी। सिंगर ने भी गाड़ी की खिड़की नीचे करके लड़की को 'हाय' कहा और उस पल को अपने कैमरे में कैद कर लिया। स्पैनिश पॉप सिंगर 13 साल बाद भारत में कॉन्सर्ट करने के लिए आए थे और शायद इसी वजह से फैंस उन्हें लाइव देखने और सुनने का मौका नहीं छोड़ना चाहते थे। सिंगर 2004 में पहली और 2012 में दूसरी बार भारत आए थे। उन्होंने भारत के कई शहरों में लाइव परफॉर्म किया था। उनके कॉन्सर्ट पुणे, बेंगलुरु और गुरुग्राम में हुए थे।

सिंगर को 'किंग ऑफ लैटिन पॉप' के नाम से भी जाना जाता है और उनके गाने फैंस को दीवाना बना देते हैं। उनके एनरिक अंग्रेजी एल्बम के गानों को बहुत पसंद किया गया था।

दो सैनिकों को आजीवन कारावास की सजा, 4 साल की बच्ची का किया था यौन

बेहरामपुर , एजेंसी।
ओडिशा के बेहरामपुर स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने शुक्रवार को चार वर्षीय नर्सरी छात्रा से दुष्कर्म के मामले में सेना के दो कर्मियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों दोषियों पर 10,000 का जुर्माना भी लगाया। यह जघन्य अपराध 2 जनवरी को उस समय हुआ था जब बच्ची स्कूल से लौट रही थी। वह उस बस में सफर कर रही थी जो सैनिकों के बच्चों को लाने-ले जाने के लिए निर्धारित थी। दोनों दोषी उसी बस में एस्कॉर्ट के रूप में तैनात थे। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि बच्ची बस में आखिरी बार उतारी जाने वाली छात्रा थी। इसी दौरान दोनों आरोपियों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। बच्ची के चिल्लाने पर मामला सामने आया। विशेष अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सह पॉक्सो अदालत की जज प्रणति पटनायक ने दोनों दोषियों को उनके प्राकृतिक जीवनकाल की समाप्ति तक जेल में रहने की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक नारायण पांडा ने बताया, 'यदि वे जुर्माना नहीं चुकाते हैं, तो उन्हें छह माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। ' अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि पीड़िता को 10.50 लाख का मुआवजा दिया जाए, जिसमें दोषियों से वसूले गए जुर्माने की राशि भी शामिल होगी। कोर्ट ने डॉक्टर, बस चालक, पुलिसकर्मियों सहित कुल सात गवाहों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट के आधार पर दोषसिद्धि तय की। जानकारी के अनुसार, दोषियों में एक 30

वर्षीय हवलदार गुजरात का रहने वाला है। दूसरा आरोपी 37 साल का है। वह ओडिशा के देवगढ़ जिले का निवासी है। घटना के बाद बच्ची ने घर पहुंचकर अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। परिवार ने उसे अस्पताल ले जाया, जहां डॉक्टरों ने यौन उत्पीड़न की पुष्टि की। इसके बाद बच्ची की मां ने 3 जनवरी को एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी (बेहरामपुर) सरवना विवेक एम. ने जांच की जिम्मेदारी एक महिला निरीक्षक को सौंपी थी।

पूछताछ केंद्र पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की तैयारी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूछताछ केंद्र पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए पत्र लिखा गया है। फिलहाल कर्मचारियों की कमी के कारण सिटी और विजयनगर साइड अक्सर ट्रेन की जानकारी लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार कर्मचारियों को दो शिफ्ट में ड्यूटी करनी पड़ती है।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन प्रमुख स्टेशन की सूची में आता है। जहां रोजाना हजारों यात्री अलग-अलग राज्यों में ट्रेन से जाने के लिए आते जाते हैं। ऐसे में ट्रेन की समय सारणी, टिकट संबंधी जानकारी और अन्य पूछताछ के लिए यात्रियों का प्रमुख शहर स्टेशन का पूछताछ केंद्र ही होता है। गाजियाबाद स्टेशन पर सिटी साइड और विजयनगर साइड की तरफ पूछताछ केंद्र है। जहां रोजाना बड़ी संख्या में यात्री विभिन्न ट्रेन के बारे में जानकारी लेते हैं। वर्तमान में दोनों केंद्र पर सीमित कर्मचारियों के कारण काउंटर पर कई बार लंबी लाइन लग जाती है। कई बार कर्मचारी एक साथ कई दिशाओं से आने वाले प्रश्नों का जवाब देने में असमर्थ होते हैं, जिससे यात्रियों को भी समस्या होती है। वर्तमान में पूछताछ और अनाउंसमेंट के लिए करीब 12 लोग हैं। इन सभी की ड्यूटी शिफ्टवार लगाने के बाद भी कुछ कर्मचारियों को डबल ड्यूटी करनी पड़ती है। भीड़भाड़ के समय पूछताछ केंद्र पर समय पर जानकारी नहीं मिलने से कई बार यात्रियों की ट्रेन भी छूट जाती है। वहीं इसके अतिरिक्त कई यात्रियों को प्लेटफार्म बदलने या ट्रेन रद्द होने की सूचना भी तय समय पर हासिल नहीं हो पाती। क्योंकि स्टेशन पर आने वाले अधिकांश यात्री पूछताछ केंद्र से ही जानकारी लेना पसंद करते हैं। अधिकारियों के अनुसार पूछताछ केंद्र पर स्टाफ बढ़ाने के लिए पत्र लिखा गया है।

कुत्तों का पंजीकरण न कराने पर दस हजार जुर्माना लगेगा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

पालतू कुत्तों का पंजीकरण न कराने पर नोटिस जारी कर जुर्माना लगाया जाएगा। नगर निगम आरडब्ल्यूए पदाधिकारी के सहयोग से नोटिस जारी करेगा। फिलहाल लोगों से कुत्तों का पंजीकरण कराने की अपील की जा रही है। पंजीकरण नहीं कराने पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

निगम में वर्ष 2018 से पहले कुत्तों के पंजीकरण की व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद निगम ने कुत्तों का पंजीकरण ऑनलाइन कराने के लिए सॉफ्टवेयर तैयार कराया तभी से पंजीकरण कराने का नियम है। निगम ने कुत्तों का पंजीकरण कराने के लिए 200 रुपये रखी है। इसके बावजूद लोग पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने में दिलचस्पी नहीं ले रहे। निगम के अनुसार शहर में करीब 30 हजार कुत्ते पाले जा रहे हैं। लेकिन अभी तक महज 6700 कुत्तों का ही पंजीकरण हो सका है।

सार्वजनिक सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-4ए में स्थित भवन संख्या-4ए/3135 श्री सुन्दर सिंह बिष्ट पुत्र श्री आनन्द सिंह बिष्ट के पक्ष में कार्यालय आदेश संख्या-1458 दिनांक 27.05.2022 द्वारा अन्तरित है। अन्तरण उपरान्त श्री जयेश बिष्ट एवं मास्टर प्रथमेश विष्ट पुत्रगण स्व० श्री सुन्दर सिंह बिष्ट, निवासीगण-सी-99, ब्लाक-सी, कृषि विहार, ग्रेटर कैलाश, एस०ओ०, साउथ दिल्ली ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 27.03.2025 द्वारा कार्यालय में सूचित किया है, कि उनके पिता श्री सुन्दर सिंह बिष्ट का का स्वर्गवास दिनांक 13.12.2023 को हो गया है, एवं माताजी श्रीमती विमला बिष्ट का स्वर्गवास दिनांक 21.08.2020 को हो गया है। मृत्योपरान्त भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपने नाम संयुक्त रुप से कराना चाहते है, जिसके लिए श्री जयेश बिष्ट एवं मास्टर प्रथमेश विष्ट पुत्रगण स्व० श्री सुन्दर सिंह बिष्ट द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये है। स्व० श्री सुन्दर सिंह बिष्ट एवं श्रीमती विमला बिष्ट का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रू0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है।

अतः स्व० सुन्दर सिंह बिष्ट पुत्र श्री आनन्द सिंह बिष्ट की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति में श्री जयेश बिष्ट एवं मास्टर प्रथमेश विष्ट पुत्रगण स्व० श्री सुन्दर सिंह बिष्ट का नाम अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा। **सम्पत्ति प्रबन्धक**

यातायात माह का शुभारंभ कर जागरुकता रैली निकाली

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में शनिवार को यातायात माह का शुभारंभ किया गया। साथ ही एक यातायात जागरुकता रैली भी निकाली गई, जिसे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था यातायात) ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पुलिस लाइन से शुरू हुई यातायात जागरुकता रैली हापुड़ चुंगी होते हुए फिर से पुलिस लाइन पर खत्म हुई। इस रैली में दो व चार पहिया वाहनों समेत कुल 120 यातायात पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजनता व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाना रहा।

इस रैली में पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, परिवहन विभाग के अधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त-यातायात, सिविल डिफेन्स के पदाधिकारी, ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

इसके अलावा यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत हापुड़ चुंगी पर दो पहिया वाहन चालकों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान करीब 200 वाहन चालकों को हेलमेट दिए गए। साथ ही उन्हें हेलमेट का प्रयोग करने और इसके फायदे भी बताए गए।

यह यातायात माह एक नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा। यातायात माह के दौरान ये कार्यक्रम होंगे यातायात माह के दौरान यातायात के प्रति जागरुकता प्रचार प्रसार किया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, चौराहों, तिराहों, यातायात प्रबंधन पर चित्रकला व क्विज प्रतियोगिताओं होंगी।

सिनेमा हॉल में जागरुकता कार्यक्रम चलेंगे। ट्रक, बस, ऑटो चालकों, ट्रैक्टर मालिक चालकों के आँखों व कानों की जांच और यातायात नियमों के सम्बन्ध में जागरूक करेंगे। सड़कों पर अभियांत्रिकी कमी को पूर्ण किये जाने के लिए अंतरविभागीय समन्वय गोष्ठियाँ होंगी।

आपातकालीन स्थिति में उचित सहायता प्रदान किये जाने के लिए यातायात कर्मियों को फर्स्ट एड एवं गोल्डन ऑवर के सम्बन्ध के प्रशिक्षित करेंगे।

ट्रान्सपोर्ट यूनियन व विभिन्न संस्थाओं के साथ संगोष्ठी करेंगे। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चलेगा अभियान इस यातायात माह के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अभियान चलेगा। विपरीत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना, तीन सवारी, ओवर स्पीडिंग, नो-पार्किंग, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाना, शराब पीकर वाहन चलाना, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाना, प्रेशर हॉर्न, हूटर, सायरन का प्रयोग, ब्लैक फिल्म का प्रयोग, दोषपूर्ण या बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, वायु प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध चालान व सीज की कार्रवाई होगी।

चलते ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र में ट्रक मिल्क लच्छी गांव के सामने 130 मीटर रोड पर शनिवार दोपहर करीब 3 बजे चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई है। पुलिस के मुताबिक ट्रक मेरठ से पेपर रोल भरकर तिलपता रोड होते हुए कासना की ओर जा रहा था। सूचना पर रोजा जलालपुर चौकी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायरकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया। ट्रक में रखे पेपर रोल का कुछ हिस्सा आग की चपेट में आ गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या इंजन में तकनीकी खराबी बताया गया है। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

संपादकीय

राहत बांटने में तेजी लाए सरकार

2025 का मॉनसून उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्रों के लिए बहुत ज्यादा हानि पहुंचाने वाला रहा। हिमाचल प्रदेश में ही 24 जून से 20 सितंबर तक 4881 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान आंका गया। 454 बहुमूल्य जिंदगियां काल का ग्रास बन गईं। 50 लोग लापता हो गए। 674 पक्के घर, 1062 कच्चे घर, 496 दुकानें पूर्णतः तबाह हो गए। 2376 पक्के, 5118 कच्चे घर आंशिक रूप से क्षतिग्रश्त हो गए।

29474 पालतू पशु काल का ग्रास बन गए। आर्थिक नुकसान में कांगड़ा, मंडी, चंबा, ऊना, कुल्लू क्रमशः पहले पांच स्थानों पर रहे, जिनमें क्रमशः 1409, 1285, 1120, 979 और 922 करोड़ रुपए का नुक्सान आंका गया। विभागीय शतर पर लोक निर्माण विभाग 2666.84, जल शक्ति विभाग 1287.23, बिजली बोर्ड 139.46, कृषि विभाग 51.64, बागवानी विभाग को 27.43 करोड़ रुपए की हानि झेलनी पड़ी। करीब दो से ढाई हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान हुआ।

फलों की फसल भी कई जगह बर्बाद हुई। पीकेन नट की फसल तो पूर्णतः अधिक बारिश के चलते बर्बाद हो गई। अकेले हमीरपुर जिले में ही 181 हेक्टेयर भूमि पर फसलें तबाह हुई। 10642 किलोमीटर सडकें क्षतिग्रश्त हुईं। 2017 के बाद इस वर्ष सबसे ज्यादा 1011 मिलीमीटर बारिश हुई। 2018 में इससे कम 927 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी।

यदि इस विभीषिका के कारणों का विश्लेषण करें तो अधिकांश मानव जनित ही मिलेंगे। जीवाश्म ईंधनों से ऊर्जा उत्पादन से आसमान में फैल रही ग्रीन हॉऊस गैसों के उत्सर्जन के कारण धरती पर वायुमंडल का तापमान बढ़ता जा रहा है, जिससे जलवायु परिवर्तन का दौर शुरू हो चुका है। दुनिया भर में मौसम जनित अप्रत्याशित घटनाएं हो रही हैं, जिनमें जन-धन की भारी तबाही हो रही है। बावजूद इसके, दुनिया भर के देश इस मामले में जुबानी जमा खर्च तो ज्यादा कर रहे हैं किन्तु तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेंटीग्रेट से नीचे रोकने के लिए ऊर्जा उत्पादन नीतियों में जो बदलाव करने चाहिएं, उस पर काम करने में पिछड़ते जा रहे हैं।

हम कह सकते हैं कि यह जलवायु परिवर्तन का भूत मानव जनित ही है, इसे प्राकृतिक आपदा कह कर टाला नहीं जा सकता। इसके बाद निर्माण कार्यों में जो अवैज्ञानिक पद्धति से काम किया गया उसने जलवायु परिवर्तन जनित विभीषिका को बहुत अधिक बढ़ा दिया। जहां जहां प्रोजेक्टों के लिए या अन्यथा गलत विकास मॉडल के चलते प्रकृति में ज्यादा तोडफ़ोड़ हुई, वहां वहां ज्यादा नुकसान हुआ। इसको मानवजनित आपदा कहना बहुत जरूरी है ताकि हमें अपनी गलतियों का एहसास होता रहे, वरना हम तो प्रकृति के जिम्मे सारा दोष मढ़ कर लापरवाह ही बनते जा रहे हैं।

निर्माण कंपनियों और उनसे जुड़े निहित स्वार्थों के कारण ही यह खेल चलता जा रहा है, क्योंकि दुनिया भर में, इन्हीं शक्तियों के पास विकास की दिशा तय करने और सरकारों को प्रभावित करने की शक्ति आ गई है। और इनकी समझ स्वार्थ प्रमुख है। पिछले 4 वर्षों में लगातार हिमाचल में मौनसूनी बारिशों में नुकसान हो रहा है जिसके कुल नुकसान का आंकड़ा 46 हजार करोड़ के लगभग माना जा रहा है। फिर भी ऐसा नहीं लगता कि योजनाकारों और सरकारों ने इसे गंभीरता से लिया हो।

इसमें सभी राजनीतिक दल एक जैसी सोच और विकास मॉडल के पैरोकार हो चुके हैं। उनके एक-दूसरे के विरोध में खड़े होने की बातें दिखावा ही लगती हैं, क्योंकि हर किसी की बारी में वही, पर्वतीय विकास के प्रति नासमझी वाली समझ से निर्देशित विकास गतिविधियां यथावत जारी रहती हैं। अभी बरसात के बाद इतनी तबाही झेलने के बाद भी आप सडक़ मार्गों के निर्माण की तकनीक में रति भर भी बदलाव नहीं देख पाएंगे। इस आपदा का यह सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है।

किन्तु दूसरा पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जो नुकसान हो चुका है उसकी यथासंभव भरपाई करना, ताकि आपदा के कारण तबाह हुए परिवार सामान्य जिन्दगी जीने योग्य बन सकें। हिमाचल सरकार ने प्रदेश को प्राकृतिक आपदाग्रश्त क्षेत्र घोषित करके पुनर्वास कार्य को व्यावहारिक शतर पर ले जाने का निर्णय करके अच्छा निर्णय किया है। इसके आधार पर बढ़ी हुई राहत राशि देने की व्यवस्था हो सकी। पहले तो यह निर्णय मंडी जिले तक ही सीमित रखा गया था। अब पूरे प्रदेश पर लागू करके सदिच्छा जाहिर की गई है।

केंद्र सरकार द्वारा 1500 करोड़ रुपए की आपदा राहत घोषित करके प्रदेश की कमजोर आर्थिक स्थिति पर कुछ मलहम लगाने का काम तो किया गया है, किन्तु यह पैसा शीघ्र हिमाचल सरकार को दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी के आश्वासन के अनुसार आपदा में हुए नुकसान का पूरा आकलन करने के बाद अतिरिक्त सहायता राशि की जो बात कही गई थी, उस पर भी शीघ्र अमल होना चाहिए, क्योंकि यह पहाड़ी ठंडे क्षेत्रों का मामला है।

जो लोग बिना घर टैंटों में पड़े हैं या रिश्तेदारों के यहां शरण ले रखी है भीषण ठंड के मौसम में उनके कष्टों का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य सरकार ने 5-6 नवंबर से मंडी जिला से राहत राशि की पहली किश्त देकर शुरुआत करने का अच्छा निर्णय लिया है, किन्तु प्रदेश के अन्य जिलों में भी राहत राशि बांटने के काम में तेजी लाने की जरूरत है, ताकि ठंड पडऩे से पहले कुछ व्यवस्थाएं बन सकें और आपदा के सताए लोगों के जख्मों पर मलहम लग सके। साथ ही केंद्र सरकार को यह सोचना है कि जो राहत उसने दी है, वह पर्याप्त नहीं है।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

ललित गर्ग

भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई।

यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है।

यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है।

'द लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है।

भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं।

हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की। वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं।

इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अशितत्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है।

सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निर्माता नहीं हैं।

गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है।

पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की 'जलवायु असमानता रिपोर्ट 2025' बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है।

इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निर्माता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है।

अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है।

स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वाश्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है।

अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए।

हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी।

सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जब तक जनता स्वयं इस समस्या को अपने जीवन का हिस्सा मानकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति जागृत नहीं होगी। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि प्रदूषण से बचाव केवल मास्क लगाने से नहीं होगा, बल्कि सोच और जीवनशैली बदलने से होगा।

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ति अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।

अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। आज आवश्यकता है एक ऐसी राष्ट्रीय चेतना की, जो कहे कि हवा किसी वर्ग की नहीं, समश्त जीवन की संपत्ति है। जब तक यह चेतना जागृत नहीं होती, तब तक हर आंकड़ा, हर रिपोर्ट और हर योजना केवल दश्तावेज बनकर रह जाएगी, और भारत की हवाएं यूं ही जहर बनती रहेंगी।

वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

सतत विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी से निवेश, नवाचार और रोज़गार के संकल्प का अभ्युदय

डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश आज अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। एक नवंबर 1956 को अशितत्व में आये मध्यप्रदेश में विकास की नई यात्रा विगत दो दशकों से आरंभ हुई, जो प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की संभावनाओं तक पहुंच गई है। यह सुखद संयोग है कि आज देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हमारे तीज, त्यौहार और परंपराएं हमारी संस्कृति का आधार हैं। उत्सव के आनंद से ही भविष्य निर्माण के भाव निर्मित होते हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश में सभी त्यौहारों को व्यापक स्वरूप में मनाया जा रहा है। अपने त्यौहारों का सांस्कृतिक संदर्भ ही हमें पुरातन से नूतन की प्रेरणा देता है।

हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत का हृदय मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है। हमें मां नर्मदा, चंबल, पार्वती, शिप्रा नदियों का सान्निध्य और बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्य जी की तपोस्थली है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में लंबा समय व्यतीत किया है। इतिहास प्रसिद्ध राजा नल, भर्तृहरि, विक्रमादित्य की जन्म स्थली भी मध्यप्रदेश रही है। सम्राट विक्रमादित्य ने ही शकों के आतंक से भारत को मुक्त किया था। संसार की पहली वैज्ञानिक कालगणना 'विक्रम संवत' का आरंभ भी मध्यप्रदेश के उज्जैन से हुआ था।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हम अपने ऐतिहासिक गौरव की दिव्यता और प्राकृतिक भव्यता के साथ विरासत से विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को साकार करने और विकसित भारत निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में उद्योग वर्ष मनाने के साथ राज्योत्सव की थीम 'उद्योग और रोज़गार' रखी गई है। इसमें प्रदेश के सतत विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी का भाव है।

यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमें निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा को परिणाम में बदलने का अवसर प्राप्त हो रहा है। विविधता से समृद्ध मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है, जिसमें अनंत संभावनाएं हैं। इसी को केन्द्र में रखकर हमने प्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्योग इसमें शामिल हुआ है। व्यापार को सरल बनाने और निवेशकों से सीधे संवाद के लिए हमने मार्च 2024 से उज्जैन से निवेश यात्रा शुरू की और फिर जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी, जापान, दुबई तक इसे विश्तार दिया। विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय रोड-शो के माध्यम से मध्यप्रदेश के निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है।

निवेशकों को एक सक्षम, सरल और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया गया है। प्रदेश में इनोवेशन हब, स्टार्टअप पॉलिसी, फंडिंग सपोर्ट और इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित कर देश की स्टार्टअप क्रांति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि मध्यप्रदेश ने पिछले एक वर्ष में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों ने प्रदेश में निवेश के प्रति गहरी रुचि दिखाई है। खनिज कॉन्क्लेव में प्रदेश को 56 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रश्ताव मिले, जो खनिज नीति और प्रशासनिक सरलता का परिणाम हैं। आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक निर्माण इकाइयां और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भी निवेश को प्रोत्साहन मिला है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि प्रदेश एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है जहां निवेश, नवाचार और रोज़गार आधार शतंभ हैं। लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने उद्योग, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यावरण, ऊर्जा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। भारत के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (ज्ञान) के सम्मान का मंत्र दिया है।

विकास के इन आधार शतंभ के अनुरूप प्रदेश विकास और कल्याण के लिए युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत कार्य किया जा रहा है। गरीब कल्याण मिशन में स्वरोज़गार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आवास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश कौशल विकास मिशन और स्टार्टअप नीति 2025 ने युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर में परिवर्तित किया है।

कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को उद्योग-आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रोज़गार मेले, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम और डिजिटल स्किल सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास युवाओं को रोज़गार से जोड़ रहे हैं। रोज़गार सृजन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासकीय और निजी क्षेत्रों में युवाओं के लिए स्थायी, कुशल और सम्मानजनक अवसर उपलब्ध किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने शासकीय भर्ती का कैलेण्डर जारी किया और उसके अनुरूप भर्ती प्रक्रिया भी आरंभ हो गई है।

कृषि क्षेत्र को नवाचार के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात हुआ है। प्रदेश सरकार ने ड्रोन आधारित फसल निरीक्षण, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली और कृषि उत्पाद मूल्य संवर्धन पर विशेष फोकस किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और मुख्यमंत्री खेत-तालाब योजना सहित अन्य प्रयासों से किसानों के लिए सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने का लगातार प्रयत्न किया जा रहा है।

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से प्रदेश के किसानों को सिंचाई और पानी की सुविधा व्यापक शतर पर उपलब्ध होगी। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 52 लाख हेक्टेयर से अधिक हो चुका है। इसे दोगुना करने का लक्ष्य है। आगामी 3 वर्षों में सिंचाई क्षेत्र का रकबा 100 लाख हेक्टेयर करने की योजना है। कृषि उपज का प्रत्यक्ष भुगतान, ऑनलाइन मंडी व्यवस्था और जैविक खेती के प्रोत्साहन ने अन्नदाताओं की आय में वृद्धि की है। मध्यप्रदेश गेहूं, सोयाबीन, चना और मसालों के उत्पादन में अग्रणी प्रदेश हैं।

महिला सशक्तिकरण को आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ने की दिशा में नारी शक्ति मिशन परिवर्तनकारी सिद्ध हो रहा है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा मिली है। महिला उद्यमिता नीति के तहत महिलाओं को लघु उद्योग, डेयरी, हश्तशिल्प और सेवा क्षेत्र में अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह को वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। यह मिशन नारी शक्ति ही नहीं बल्कि नये भारत की आधारशिला है।

गौ-धन हमारी अर्थव्यवस्था का स्थायी शतंभ बने इसके लिए हमने गौ-संवर्धन और दुग्ध उत्पादन को आर्थिक नवाचार का केंद्र बनाया है। मुख्यमंत्री गौ-संवर्धन मिशन के तहत प्रदेशभर में गौ-अभयारण्य और गौ-सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है। लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने दुग्ध उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि हासिल की है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और प्रदेशवासियों के सहयोग और संबल से कल्याणकारी नीतियों और निर्णयों को अमल में लाने में सफलता प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश की स्वर्णिम यात्रा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ आगे बढ़ रही है।

गरीब के चेहरे पर मुस्कान, किसान की खुशहाली, नारी का सम्मान और युवाओं का उज्ज्वल भविष्य हमारा संकल्प भी है और लक्ष्य भी। आइये, हम सब मिलकर समग्र विकास के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं...।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

स्कूल से पहले ससुराल चली जाती हैं लड़कियां

नजमा बानो

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी है। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है।

15 से 19 साल के उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं। हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

राज्य शतर पर बात करें तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज़ है, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आँकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो लोग 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊँची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ती दाख़िलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है।

राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है, और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताज़ा स्थानीय पहलों का ज़िक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटे-छोटे विजयों को व्यापक और गहरे शतर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज़ गिरावट के प्रमाण दिए हैं; फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (एनएफएचएस जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुँचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियाँ अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फँस जाती हैं।

इससे उनकी आगे की शिक्षा, करियर के विकल्प और आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहाँ साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियाँ तुलनात्मक रूप से कम होती हैं।

स्वास्थ्य के शतर पर भी इसका विनाशकारी असर देखने को मिलता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी, और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएँ अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है। जहाँ शुरुआती शादी सामान्य है वहाँ ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

समग्र विकास यानी किसी लड़की का शैक्षिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विकास भी शादी की जल्दी से प्रभावित होता है। जिस उम्र में कोई युवा अपनी पहचान बना रही होती है, उसी समय अगर जिम्मेदारियों और रिश्तों का एक भारी बोझ सर पर आ जाए तो उसकी क्षमता, आत्मविश्वास और विकल्प सीमित हो जाते हैं। यह केवल व्यक्तिगत कहानी नहीं, बल्कि समुदाय की समृद्धि और अगली पीढ़ी के अवसरों को भी प्रभावित करता है।

शिक्षा और स्वस्थ जीवन का चक्र धीमा पड़ जाता है, जिसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव रहते हैं।

फिर भी, बदलाव के कुछ संकेत मौजूद हैं। कुछ गाँवों में लड़कियों की स्कूल निरंतरता बढ़ रही है, स्थानीय सामाजिक समूहों और संस्थाओं के समर्थन से जो परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई जारी रखते हैं वे धीरे-धीरे एक नया मानक बना रहे हैं। इन सफलताओं की कहानियाँ बताती हैं कि सही हश्तक्षेप जैसे स्कूलों तक सुरक्षित पहुँच, किशोर स्वास्थ्य सेवाएँ, और समुदाय-आधारित जागरूकता वाश्तविक परिणाम ला सकते हैं। पर सफलता के लिए सतत प्रयास, निगरानी और युवाओं को विकल्प देने वाली नीतियों का मेल जरूरी है।

यह लेख किसी व्यक्ति या संस्था को दोष देने के उद्देश्य से नहीं है। उद्देश्य यह समझना और बताना है कि क्या बदल रहा है और क्यों। आँकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में सुधार हुआ है, पर पुरानी जड़ें अभी भी कई जगहों पर टिके हुए हैं। असल काम यही है। स्थायी तौर पर उन बदलावों को फैलाना जो लड़कियों को उनके स्कूल, उनका स्वास्थ्य और भविष्य के विकल्प वापस दिला सकें। छोटे-छोटे कदम, सुरक्षित स्कूल वातावरण, समाज की सकारात्मक भूमिका, युवाओं के लिए करियर जानकारी आदि मिलकर उस बड़े बदलाव का हिस्सा बनते हैं जो हर गाँव की अगली सुबह को बदल सके।

दरअसल, राजस्थान के ग्रामीण इलाकों की कहानी अभी पूरी नहीं हुई। आँकड़े उम्मीद देते हैं और क्षेत्रीय सफलताएँ संकेत, पर असली जीत तब होगी जब हर लड़की के पास पढ़ाई, स्वास्थ्य और फैसलों का बराबर मौका होगा और जब गाँवों की नई पीढ़ियाँ उन विकल्पों को अपनाएँगी जिनसे वे अपने जीवन की दिशा खुद चुन सकें। बाल विवाह उनसे यही विकल्प छीन लेता है। जिसे अब समाप्त करने का समय आ गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मौसम ने बढ़ाई सांस के रोगियों की मुश्किलें, बढ़े मरीज

अम्बेडकरनगर, एजेंसी। अंबेडकरनगर। लगातार बदल रहे मौसम का असर सेहत पर पड़ रहा है। इससे सांस, एलर्जी के मरीजों में दिक्कतें बढ़ गई हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या अधिक रही। रोगियों को परामर्श के दौरान चिकित्सकों ने इलाज के साथ सावधानी बरतने की सलाह दी ।मौसम में नमी के कारण वायरस का संक्रमण बढ़ गया है। इससे पुराने मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है। जबकि एलर्जी के मरीजों को भी दिक्कत होती है। उन्हें सर्दी-जुकाम, नाक से पानी, आंख में खुजली होने लगती है। बीते दिनों से जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 150 से 200 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. डीपी वर्मा ने बताया कि मौसम बदलने से सांस व एलर्जी के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है। वातावरण में नमी के कारण लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। इसके कारण संक्रमण तेजी से होता है। सांस की नली सिकुड़ जाती है। शुगर के मरीज को भी दिक्कत होती है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही से अस्थमा के पुराने मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है ।उन्हें सांस लेने में दिक्कत होती है। इस मौसम में सावधानी बरतनी चाहिए। लक्षण मिलने व परेशानी होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क कर इलाज कराना चाहिए। पुराने मरीज को नियमित दवा लेनी चाहिए।

पंचायत भवन में मिलेगी ग्राम सचिवालय जैसी सुविधाएं

अंबेडकरनगर, एजेंसी। अब ग्रामीणों को प्रमाणपत्र, आवेदन, पेंशन, राशन या योजनाओं की जानकारी के लिए तहसील या ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना होगा। ग्राम पंचायत भवनों को अब आधुनिक ग्राम सचिवालय का स्वरूप दिया जा रहा है। यहां जिला स्तरीय कार्यालयों जैसी सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। आधुनिक फर्नीचर, साफ-सुथरे रिकॉर्ड रूम, पेयजल, ऊर्जा कुशल लाइटिंग, शौचालय और नागरिकों के बैठने की समुचित व्यवस्था की जा रही है ।जिले के सभी नौ विकासखंडों में 10-10 पंचायत भवनों को इस योजना में शामिल किया गया है। अकबरपुर विकासखंड में कनकपट्टी, सोनगांव और ताराखुर्द के भवन लगभग तैयार हैं। रामनगर ब्लॉक में नौ, टांडा में पांच और बसखारी में चार पंचायत भवनों को चयनित किया गया है। वहीं कटेहरी, जलालपुर, भीटी, जहांगीरगंज और भियांव ब्लॉकों में निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। डीपीआरओ सर्वेश पांडेय ने बताया कि चयनित पंचायत भवनों को दिसंबर तक आईएसओ मानक अनुरूप तैयार कर प्रमाणन प्रक्रिया के लिए भेजा जाएगा।

किसान के खेत पर बनी मजार पर रातों-रात निर्माण, पुलिस ने टिनशेड और चबूतरा तुड़वाया

बिजनौर, एजेंसी। बिजनौर जनपद के शेरपुर अभि गांव में किसान के खेत पर बनी मजार पर रातों-रात किए गए निर्माण कार्य को पुलिस ने हटवा दिया। किसान लोटन सिंह ने बताया कि उनके खेत में पीपल के पेड़ के नीचे वर्षों से एक मजार बनी हुई है। शनिवार सुबह जब वे खेत पर पहुंचे तो मजार के ऊपर टिनशेड और उसके चारों ओर चबूतरा बना हुआ देखकर हैरान रह गए। किसान द्वारा इसकी सूचना गांव में दी गई, जिसके बाद ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर एएसपी सिटी कृष्ण गोपाल, सीओ गौतम राय, नायब तहसीलदार अमित कुमार और थाना प्रभारी सत्येंद्र मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने स्थिति का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को अवैध मानते हुए चबूतरा, टिनशेड और वहां रखे गए दान पात्र को हटवा दिया। अधिकारियों के अनुसार, मजार पर निर्माण करने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पुलिस इस मामले की शांतिपूर्ण जांच कर रही है।

वेतन विसंगति दूर करने के नाम पर दरोगा से ली रिश्वत, पुलिस कमिश्नर कार्यालय का बाबू गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में सीपी कार्यालय के उर्दू अनुवादक महफूज अहमद को शुक्रवार की शाम एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उस पर कल्याणपुर थाने में तैनात दरोगा उदय पाल पांडेय से वेतन विसंगति को दूर कराने के नाम पर रुपये मांगने का आरोप है। दरोगा की शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने जाल बिछाकर अनुवादक को धर दबोचा। कोतवाली में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद शनिवार को उसे लखनऊ कोर्ट में पेश करने की तैयारी है। एंटी करप्शन थाने के इंस्पेक्टर जटा शंकर ने बताया कि महफूज अहमद मूलरूप से गोंडा के निवासी हैं। वह कानपुर पुलिस कमिश्नर कार्यालय के प्रधान लिपिक कार्यालय में तैनात हैं। कल्याणपुर थाने के दरोगा उदय पाल पांडेय की वेतन विसंगति की समस्या थी। उन्होंने हाईकोर्ट अर्जी दी थी। वहां से उनके पक्ष में फैसला आ गया। दरोगा ने आदेश की कॉपी प्रधान लिपिक कार्यालय में दी थी। इसके बावजूद उनको कई चक्कर लगवाए गए।

सीएम योगी बोले, संस्कृत-तमिल आत्मा, एकात्मता के प्रतीक हैं काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम

वाराणसी, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में सबसे अच्छा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन भारत है। भारत में भी यूपी निवेश का सबसे उत्तम गंतव्य है। काशी और तमिलनाडु में भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रूप से संरक्षित हैं। भारत में संस्कृत भाषा और तमिल साहित्य सबसे प्राचीनतम साहित्य हैं। समस्त भारतीय भाषाएं और उनके साहित्य सभी को अपने में समाहित करते हैं। समावेशी सांस्कृतिक प्रेरणा का ये स्रोत समाज में सद्भाव और समरसता बनाए हुए हैं। काशी में गंगा से तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा की याद दिलाती हैं। बताती हैं कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार की देर शाम काशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम में निर्मित धर्मशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पहले बाबतपुर एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया, फिर धर्मशाला के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने संबोधन की शुरुआत वणक्कम काशी से की और कहा कि इस धर्मशाला की आधारशिला वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रखी थी। आज इसके उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति, तमिलनाडु और दुनियाभर से अतिथि, निवेशक आए हैं। जिस धर्मशाला का उद्घाटन हुआ, वहां 200 साल पहले श्रीकाशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम मैनेजमेंट सोसाइटी ने भगवान विश्वनाथ की पूजा शुरू कराई थी। बाद में कुछ लोगों ने कब्जा करने का प्रयास किया था। इसकी जानकारी मिलते ही कब्जा हटवाया गया। अब धर्मशाला बन गई है।

काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करेगी धर्मशाला : मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं। धर्मशाला का उद्घाटन उपराष्ट्रपति ने किया। धर्मशाला श्रद्धालुओं को रहने की सुविधा उपलब्ध कराएगी। साथ ही काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करेगी। आदिकाल से चली आ रही इस शाश्वत परंपरा को आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री गति प्रदान कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश की गौरवशाली आस्था के प्रति सम्मान के पुनर्स्थापना का कार्य आगे बढ़ रहा है। तमिलनाडु की तेनकाशी में भगवान विश्वनाथ का प्राचीन मंदिर है। तेनकाशी का अर्थ है दक्षिण की काशी। पांड्य देश के सम्राट श्रीहरि केशरी परिकराम पांडयन ने काशी से ज्योतिर्लिंग लाकर तेनकाशी में स्थापना की। तमिलनाडु में शिवकाशी नाम का एक पवित्र स्थान भी है।

देव दीपावली में काशी की भव्यता और दिव्यता का करें अवलोकन : मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समारोह ऐसे अवसर पर हो रहा है जब कल से काशी में गंगा महोत्सव का पावन आयोजन है। एक से चार नवंबर यानी देवोत्थान एकादशी से कार्तिक चतुर्दशी तक गंगा महोत्सव होगा। कार्तिक पूर्णिमा पर पांच नवंबर को देव दीपावली का भव्य आयोजन काशी में होने जा रहा है। तमिलनाडु और यूएसए सहित तमाम देशों से यहां लोग उपस्थित हुए हैं। आपसे इस बारे में अनुरोध करूंगा कि गंगा महोत्सव और देव दीपावली में काशी की भव्यता और दिव्यता का अवलोकन करें। आपको अत्यंत आनंद की अनुभूति होगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत की नई काशी आपको और भी आकर्षित करेगी।

विश्वेश्वर और रामेश्वर एक दूसरे के रूप में पूजित : मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की तरफ से रामेश्वरम धाम में स्थापित पावन ज्योतिर्लिंग और काशी में विराजमान भगवान आदि विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग, यह एक-दूसरे के रूप में पूजित हैं। काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम दोनों भगवान शिव के दिव्य स्वरूप हैं। यह उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का सुंदर सार भी प्रस्तुत करता है। भगवान श्रीराम और भगवान शिव के माध्यम से निर्मित इस संबंध सेतु को आदि शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में पवित्र पीठ की स्थापना कर आगे बढ़ाया। आदि शंकर ने काशी में आकर ज्ञान प्राप्त किया और संपूर्ण भारत को अद्वैत दर्शन का संदेश दिया। काशी ने उन्हें आत्मज्ञान दिया और उन्होंने आत्मबोध दिया। यह परंपरा हमें संतुलन और विवेक का संदेश देती है।

अयोध्या धाम में तमिल संतों के नाम पर हैं चारों प्रमुख द्वार : मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की भक्ति के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले दक्षिण भारत के पूज्य संतों में त्यागराज स्वामी, पुरंदरदास स्वामी और अरुणाचल कवि की प्रतिमा की स्थापना केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हमने अयोध्या धाम में की है। इससे पहले विशिष्टाद्वैत के प्रवर्तक संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा की स्थापना भी अयोध्या में हुई है।

वर्दी वाले ही तोड़ रहे नियम, बिना हेलमेट और ट्रिपलिंग कर भर रहे फर्राटा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में कदम-कदम पर ट्रैफिक नियम तोड़े जा रहे हैं। आम हो या खास, हर कोई नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। हैरानी की बात ये है कि वर्दीधारी भी पीछे नहीं हैं। तीन नवंबर से यातायात माह की शुरुआत होगी, तब पुलिस अधिकारी महीने भर लोगों को ट्रैफिक नियमों को जगह-जगह, स्कूल, कॉलेज व अन्य जगहों पर पाठशाला लगाकर जागरूक करेगी।

लेकिन उनके लिए नियमों का पालन करवाना और उसको आदत में डलवाना बड़ी चुनौती होगी। शहर में हर तरफ बिना हेलमेट लोग बाइक से फर्राटा भरते नजर आए। तमाम ऐसे भी थे, जो फोन पर बात भी कर रहे थे। पुलिसकर्मी भी इसमें पीछे नहीं दिखे। यही नहीं, ट्रिपलिंग में भी कोई हिचक नहीं दिखी।

कई बाइक व स्कूटी पर चार-चार लोग भी जाते दिखे। इसके अलावा वनवे से लेकर तमाम मार्गों पर रॉन्ग साइड से वाहन गुजरते रहे। इसमें भी पुलिस वाहनों की संख्या काफी अधिक रही।

डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यातायात माह के दौरान लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

जो भी पुलिसकर्मी नियम तोड़ रहे हैं, उन पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। लोगों से अपील है कि वह नियम का पालन जरूर करें।

बिहार के नतीजे पर पूर्वांचल की निगाहें, इसी से तय होगा यूपी का सियासी रुख

लखनऊ, एजेंसी। बिहार चुनाव के नतीजे उत्तर प्रदेश की सियासी हवा का रूख तय करेंगे। इसका सीधे असर पूर्वांचल पर पड़ना तय माना जा रहा है, क्योंकि पूर्वांचल और बिहार के करीब 10 जिलों में रोटी-बेटी का नाता है। तमाम कामगार भी यूपी में रहते हैं, जो मतदान के लिए बिहार पहुंचने लगे हैं। बिहार में पहले चरण में शामिल 18 जिलों की 121 सीटों पर छह नवंबर और दूसरे चरण के 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान है। पहले चरण में नीतीश सरकार के 16 मंत्री मैदान में हैं।

उत्तर प्रदेश से बिहार की करीब 20 विधानसभा क्षेत्र सटे : इसमें यूपी से सटे गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, सीवान, सारण में पहले चरण में और अन्य जिलों में दूसरे चरण में मतदान है। उत्तर प्रदेश से बिहार की करीब 20 विधानसभा क्षेत्र सटे हुए हैं। पूर्वांचल से इन विधानसभा क्षेत्रों में रोटी बेटी का रिश्ता है। शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार की दृष्टिकोण से निरंतर आना-जाना है। सियासी जानकारों का कहना है कि बिहार चुनाव परिणाम पूर्वांचल पर सीधे छाप छोडेगा। इतना ही नहीं बिहार के चुनाव परिणाम से उत्तर प्रदेश और भविष्य में होने वाले अन्य राज्यों के चुनाव परिणाम पर भी असर पड़ना तय है।

चुनाव पर पूरे देश की निगाह लगी : वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र कहते हैं कि इस चुनाव पर पूरे देश की निगाह लगी है। दोनों तरफ से सियासतदां भी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। यहां का परिणाम जिस तरफ होगा, उधर के कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद होंगे। एनडीए की जीत हुई, तो यूपी ही नहीं अन्य राज्यों में भविष्य में होने वाले चुनाव के लिए माहौल बनेगा। यदि एनडीए की पराजय होती है तो विपक्षी दलों में नई ऊर्जा पैदा होगी। उनका आत्मबल बढ़ेगा।

यह भरोसा होगा कि एकजुटता दिखाकर भाजपा के रथ को रोका जा सकता है। बिहार चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्वांचल में एक तरफ वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है, तो दूसरी तरफ गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का क्षेत्र हैं। इन दोनों क्षेत्रों में बिहार की बड़ी आबादी का किसी न किसी रूप में रिश्ता है। भाजपा पिछड़ा वर्ग काशी प्रांत के महामंत्री सुभाष कुशवाहा कहते हैं कि वाराणसी और गोरखपुर सहित पूरे पूर्वांचल का विकास बिहार में सत्ता वापसी का द्वार बनेगा। यही वजह है कि पूर्वांचल में रहने वाले लोग मतदान में हिस्सा लेने के लिए बिहार वापसी कर रहे हैं।

स्काईवॉक को मिली संस्तुति, अब बादशाहनगर मेट्रो से सीधे रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे यात्री

लखनऊ, एजेंसी। बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन और रेलवे स्टेशन के बीच प्रस्तावित स्काईवॉक को मंजूरी मिल गई है। करीब 6.3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह स्काईवॉक एक वर्ष में तैयार हो जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने इसका नक्शा मेट्रो प्रशासन को भेज दिया है, और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के ठीक सामने बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन स्थित है। यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों स्टेशनों को जोड़ने की योजना गत वर्ष ही तैयार की गई थी। इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट के बाद अब मुख्यालय से संस्तुति मिल गई है।

लखनऊ : बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन और रेलवे स्टेशन के बीच प्रस्तावित स्काईवॉक को मंजूरी मिल गई है। करीब 6.3 करोड़ रुपये की

लागत से बनने वाला यह स्काईवॉक एक वर्ष में तैयार हो जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने इसका नक्शा मेट्रो प्रशासन को भेज दिया है, और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के ठीक सामने बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन स्थित है। यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों स्टेशनों को जोड़ने की योजना गत वर्ष ही तैयार की गई थी। इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट के बाद अब मुख्यालय से संस्तुति मिल गई है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, स्काईवॉक की लंबाई 100 मीटर और चौड़ाई पांच मीटर होगी। इसमें सिविल और इलेक्ट्रिकल दोनों प्रकार के कार्य कराए जाएंगे। परियोजना नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बताया कि बादशाहनगर स्टेशन को मेट्रो से जोड़ने के लिए स्काईवॉक की संस्तुति मिल गई है। ड्राइंग मेट्रो प्रशासन को भेज दी गई है। इसे एक साल में बनाकर तैयार करने का लक्ष्य है।मेट्रो से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन स्काईवॉक पर ही टिकट काउंटर स्थापित करेगा। इस तरह यात्रियों को स्टेशन पहुंचने पर टिकट के लिए अलग से कतार में नहीं लगना पड़ेगा। स्काईवॉक से उतरने के बाद यात्री लिफ्ट और एस्केलेटर के माध्यम से प्लेटफॉर्म तक पहुंच सकेंगे।राजधानी का पहला स्काईवॉक लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने बनवाया था, जिसे दुर्गापुरी मेट्रो स्टेशन से जोड़ा गया है। इसके अलावा उत्तर रेलवे प्रशासन भी चारबाग रेलवे स्टेशन को चारबाग मेट्रो स्टेशन से जोड़ने के लिए स्काईवॉक निर्माण की योजना पर काम कर रहा है।

शुभ मुहूर्त में जय श्रीराम के नारों संग पंचकोसी परिक्रमा, पहुंचे लाखों श्रद्धालु

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी में शनिवार को सुबह भोर चार बजकर दो मिनट पर पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। शुभ मुहूर्त में लाखों रामभक्तों ने जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के साथ परिक्रमा प्रारंभ की। श्रीराम की नगरी में आस्था अपने चरम पर है।

हर ओर भक्ति का सागर उमड़ा हुआ है। यह परिक्रमा भगवान श्रीराम की पवित्र भूमि की लगभग 15 किलोमीटर की परिधि में होती है और रात दो बजकर 57 मिनट तक चलेगी। देशभर के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं। भक्तों ने पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ परिक्रमा पथ पर चलकर भक्ति और विश्वास की अद्भुत मिसाल पेश की है। जगह-जगह मंदिरों में भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और राम नाम संकीर्तन का आयोजन हो रहा है।

पूरा नगर जय श्रीराम के नारों से गूंज रहा है और हर ओर उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ ही ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है।

स्वास्थ्य शिविर, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। चौदह कोसी परिक्रमा की सफलता के बाद अब पंचकोसी परिक्रमा ने अयोध्या को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पंचकोसी परिक्रमा मोक्षदायिनी मानी जाती है।

सही होंगे गलत बिजली बिल, वर्टिकल सिस्टम की नई व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में बिजली उपभोक्ताओं की समस्या को तेजी से सही करने के लिए बिजली विभाग ने नई व्यवस्था शुरू की है। वर्टिकल सिस्टम में जिले भर के बिजली उपभोक्ताओं के गलत बिल चार जगह पुरनिया, एचएएल, कॉल सेंटर हुसैनगंज, इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी में सही किए जाएंगे।

इन इलाकों के उपकेंद्रों पर बनने वाले कॉमर्शियल के कार्यालय में ही आवेदकों को नए कनेक्शन देने एवं खराब मीटर को बदलने का भी काम होगा। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (वाणिज्य) ने बीते बृहस्पतिवार को जिन उपकेंद्रों पर कार्यालय खुलेंगे उनका निरीक्षण भी किया है।

यह सभी कार्यालय हर जोन के बीचोंबीच क्षेत्र में हैं। उपभोक्ताओं एवं आवेदकों को भी यहां आवागमन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। निदेशक के निरीक्षण के दौरान जोनल मुख्य अभियंता महफूल आलम, रवि अग्रवाल, वीपी सिंह व सुशील गर्ग ने 10 दिन के भीतर इन कार्यालय खोलने का वादा किया है।

एक कार्यालय में तीन काम: वर्टिकल के तहत खुलने वाले कार्यालय में तीन खासकर तीन काम होंगे। एक तो उपभोक्ताओं के गलत बिल सही करने, दूसरे खराब व क्षतिग्रस्त मीटर को बदलने एवं तीसरे आवेदकों को नए बिजली कनेक्शन देने का काम होगा। इसके लिए अलग-अलग अधिशासी अभियंताओं की तैनाती होगी। साथ ही, सहायक व अवर अभियंता सहित अन्य कर्मचारी तैनात किए जाएंगे।

कार्यालयों में कॉमर्शियल के एक्सईएन काम करेंगे : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम (वाणिज्य) निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि वर्टिकल सिस्टम में

उपभोक्ताओं के बिल सही करने, खराब मीटर बदलने एवं आवेदकों को नए कनेक्शन देने के लिए चार जगहों पर कार्यालय का चयन किया गया है। इन्हीं जगहों के कार्यालयों में कॉमर्शियल के एक्सईएन काम करेंगे।

किस कार्यालय में कहां-कहां के उपभोक्ता व आवेदक आएंगे

इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी : अमौसी जोन के निगोंहा, मोहनलालगंज, अमेठी, गोसाईगंज, उतरेठिया, तेलीबाग, साउथसिटी, वृंदावन, आशियाना, रजनीखंड, एलडीए कानपुर रोड, सरोजनीनगर, नादरगंज, बंथरा, दुबग्गा, मोहान रोड, हरदोई, काकोरी, जेहटा, काकराबाद, मलिहाबाद, माल, रहीमाबाद।

कॉल सेंटर हुसैनगगंज : लखनऊ मध्य जोन के अर्जुनगंज, हरिहरपुर, छावनी, हजतरतगंज, कालीदास मार्ग, विक्रमादित्य मार्ग, माल एवेन्यू, हुसैनगंज, छितवापुर, अमीनाबाद, डालीबाग, नरहीं, चौक, ठाकुरगंज, सहादतगंज, राजाजीपुरम, तालकटोरा, यहियागंज, गऊघाट, कैम्पवेल रोड, दौलतगंज, वजीरगंज।

पुरनिया उपकेंद्र : जानकीपुरम जोन के खदरा, त्रिवेणीनगर, मोहिबुल्लापुर, मड़ियांव, आईआईएम रोड, बीकेटी, इटौंजा, जानकीपुरम, विकासनगर, कुर्सी रोड, अलीगंज, महानगर, निशातगंज, पेपरमिल कॉलोनी, डालीगंज, मुकारिमनगर, इक्का स्टैंड, शंकरनगर, मुंशीगंज, बाबूगंज, बड़ा चांदगंज, कपूरथला, डंडहिया।

एचएएल उपकेंद्र : गोमतीनगर जोन के इंदिरानगर, मुंशीपुलिया, तकरोही, सर्वोदयनगर, रवींद्रपल्ली, संजयगांधीपुरम,मानस विहार, कमता, इस्माइलगंज, चिनहट, मटियारी, देवा रोड, तिवारीगंज, गोमतीनगर, गोमतीनगर विस्तार, खरगापुर, लोनापुर।

महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल आज, भारत-साउथ अफ्रीका आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को इतिहास रचने जा रहा है, जब भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के साथ दुनिया को एक नई विश्व चैंपियन टीम मिलेगी, क्योंकि दोनों में से कोई भी टीम अब तक यह खिताब नहीं जीत सकी है। भारतीय टीम 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही है, जबकि साउथ अफ्रीका पहली बार इस मुकाम तक पहुंचा है। घरेलू परिस्थितियों और हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को खिताब जीतने का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

महिला वनडे विश्व कप में यह पांचवां मौका है जब कोई मेजबान टीम फाइनल में पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया (1988), इंग्लैंड (1993 और 2017) और न्यूजीलैंड (2000) ऐसा कर चुके हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट के लीग चरण में सात में से तीन मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर धमाकेदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया। यह वही ऑस्ट्रेलियाई टीम थी, जिसने पूरे टूर्नामेंट में अब तक कोई मैच नहीं गंवाया था। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात में से पांच मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराया। फाइनल में भारतीय टीम को अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और कप्तान हरमनप्रीत कौर से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की भूमिका अहम रहने वाली है। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी में कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रित्स पर निर्भर रहेगी, जबकि गेंदबाजी की कमान मारिजैन कप्प और नॉनकुलुलेको म्लाबा के हाथों में होगी।

अब तक के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच 1997 से लेकर अब तक कुल 34 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 20 बार जीत दर्ज की है, जबकि साउथ अफ्रीका

को 13 मैचों में सफलता मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा था। डीवाई पाटिल स्टेडियम में पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आसमान में बादल रहेंगे और बारिश की संभावना भी है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अगर बारिश की वजह से मैच पूरा नहीं हो पाता, तो 3 नवंबर को रिजर्व डे रखा गया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत की टीम -हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, उमा छेत्री, शेफाली वर्मा।

साउथ अफ्रीका की टीम -लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), अयाबांगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मारिजैन कप्प, ताजमिन ब्रित्स, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसेन, ऐनी बॉश, मसबत क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगसे।

महिला वनडे विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस 2-30 बजे होगा। यह ऐतिहासिक मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किया जाएगा और इसकी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी। भारत के पास घरेलू मैदान पर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

न्यूजीलैंड का इंग्लैंड पर क्लीन स्वीप, दो विकेट से जीता तीसरा वनडे

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को तीसरे वनडे में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 3-0 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 222 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 32 गेंदें शेष रहते 8 विकेट पर 226 रन बना लिए। जाक फोकेस (14*) और ब्लेयर टिकनेर (18*) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहला वनडे चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था।

इंग्लैंड के बल्लेबाज एक बार फिर फ्लॉप रहे। टीम ने शुरुआती 10 ओवरों में ही चार विकेट 44 रन पर गंवा दिए। कप्तान हैरी ब्रूक की टीम के लिए जो रूट (2), बेन डकेट (8), जैमी स्मिथ (5) और जैकब बेथेल (11) रन ही बना सके। जोस बटलर ने 38 रन की उपयोगी पारी खेली जबकि ओवरटन और कार्स ने आठवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की।

इंग्लैंड की हार के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज़ से पहले टीम की बल्लेबाजी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

हार का दर्द झेला है, अब जीत की खुशी का इंतजार : भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम ने विश्व मंच पर हार का दर्द कई बार झेला है, लेकिन अब वे पहली बार विश्व कप जीतने की खुशी महसूस करने को तैयार हैं। रविवार को नवी मुंबई में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा, और दोनों टीमें पहली बार वनडे विश्व कप खिताब की दौड़ में हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम हार का गम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन अब जीत की खुशी का स्वाद चखने का वक्त है। पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है और हम मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देंगे।' भारत तीसरी बार फाइनल में पहुंचा है – 2005 और 2017 में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान ने कहा कि 'घरेलू सरजमीं पर फाइनल खेलना गर्व की बात है और टीम का मनोबल चरम पर है।' सेमीफाइनल में भारत ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा था। हरमनप्रीत ने कहा, 'फाइनल खेलना ही सबसे बड़ी प्रेरणा है। यह टीम एकजुट है और इस पल का लुत्फ उठाने के लिए तैयार है।'

अर्शदीप की वापसी पर सबकी नजरें, हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजों को राहत की उम्मीद

-तीसरा अंतरराष्ट्रीय टी20 आज

होबार्ट (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के तीसरे टी20 से बाहर होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होबार्ट में खेले जाने वाले निर्णायक मुकाबले में कुछ राहत मिल सकती है। हेजलवुड की सटीक लाइन और अतिरिक्त उछाल ने मेलबर्न में भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि अब उनके आराम पर जाने से टीम इंडिया को सांस लेने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है। इस बीच भारतीय टीम की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आखिरकार मौका मिलेगा या नहीं, क्योंकि उन्हें लगातार बाहर रखने को लेकर आलोचनाएं तेज हो गई हैं।

दूसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया था। हालांकि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि हेजलवुड का सामना करना बेहद कठिन था और उनकी अनुपस्थिति भारतीय बल्लेबाजों के लिए राहत की बात होगी। अब भारतीय बल्लेबाजों को जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों से निपटना होगा, जिनकी गति और उछाल हेजलवुड जितनी खतरनाक नहीं मानी जाती। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल के सामने बड़ी चुनौती अपनी फॉर्म लौटाने की है। दोनों को अतिरिक्त उछाल और सीम मूवमेंट का सामना करने में परेशानी हो रही है। होबार्ट के बेलेरिव ओवल की सीमाएं अपेक्षाकृत छोटी हैं, जिससे आक्रामक बल्लेबाजों को फायदा मिल सकता है। यही मैदान वह ऐतिहासिक स्थल भी है जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 133 रन की नाबाद पारी खेली थी।

भारतीय टीम प्रबंधन की 'बल्लेबाजी की गहराई' वाली रणनीति अब सवालों के घेरे में है। मेलबर्न में टीम के तीन स्पिनरों के साथ उतरने और अर्शदीप को बाहर रखने के फैसले ने कई पूर्व खिलाड़ियों को हैरान कर दिया। रविचंद्रन अश्विन ने कहा, 'अगर जसप्रीत बुमराह खेल रहे हैं, तो अर्शदीप दूसरे नंबर पर होने चाहिए, और अगर बुमराह नहीं खेल रहे हैं तो पहले।'

हर्षित राणा को प्राथमिकता देने पर भी बहस जारी है। पिछले मैच में उन्होंने 33 गेंदों पर 35 रन बनाए, लेकिन स्ट्राइक रोटेशन और गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी। अब सवाल यही है कि क्या टीम प्रबंधन तीसरे मैच में अर्शदीप को मौका देगा। होबार्ट की परिस्थितियों को देखते हुए जहां स्विंग मिलने की संभावना रहती है, वहां अर्शदीप की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है लक्ष्य : दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

13 से 15 दिसंबर तक हो सकती है आईपीएल नीलामी : रिपोर्ट

मुम्बई। आईपीएल 2026 सत्र के लिए नीलामी 13 से 15 दिसंबर के बीच होने की संभावना हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस 19 वें सत्र के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन के लिए 15 नवंबर तक की समय सीमा रखी गयी है। इसमें अधिकतर टीमें अपने मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए कुछ बदलावों के साथ सामने आ सकती हैं। ये भी माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में स्थिति और साफ होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से अभी तारीखों की आधिकारिक रुप से पुष्टि नहीं की गई है पर अधिकांश टीमें अपनी तैयारियों में लग गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि पिछले दो सालों में आईपीएल की नीलामी विदेशों में हुई थी पर इस बार ये देश में ही होने की संभावना है हालांकि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है। इस बार बड़े स्तर पर टीमों में बदलाव की उम्मीद नहीं की जा रही है पर चेन्नई सुपर किंग्स सहित कुछ फ्रेंचाइजियां अपनी टीम में बड़े फेरबदल कर सकती हैं। पिछले सीज़न में सबसे नीचे रही सीएसके इस बार नई रणनीति से उतर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके दीपक हुड्डा, विजय शंकर साहित कुछ और खिलाड़ियों को रिलीज़ कर सकती है क्योंकि पिछले सत्र में इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। आर अश्विन के संन्यास लेने से टीम उनकी जगह किसी और स्पिनर को जगह दे सकती है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर भी सबकी नज़रें टिकी हैं। चोट के कारण वे पिछले ऑक्शन में शामिल नहीं हो पाए थे, लेकिन अब उनकी वापसी के साथ एक बार फिर भारी बोली लगने की उम्मीद है। अधिकांश फ्रेंचाइजियां अब अपने स्क्वॉड में खाली स्लॉट और पर्स का संतुलन बनाने में जुटी हुई हैं। सभी टीमें अपने कोर खिलाड़ियों को बनाए रखने के अलावा नये खिलाड़ियों को भी अवसर दे सकती हैं।

धमाकेदार हैट्रिक लेने के बाद भी अनजान थे रोमारियो शेफर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला शुक्रवार, 31 अक्टूबर की रात चट्टोग्राम के बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रचते हुए हैट्रिक झटकी और बांग्लादेश को मात देकर अपनी टीम को 3-0 की सीरीज जीत दिलाई।

शेफर्ड की यह हैट्रिक बेहद खास रही क्योंकि उन्होंने इसे दो अलग-अलग ओवरों में पूरा किया। दिलचस्प बात यह रही कि उन्हें खुद इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्होंने हैट्रिक हासिल कर ली है, जब तक उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें इस उपलब्धि के बारे में नहीं बताया। उन्होंने 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर नूरुल हसन को आउट किया और फिर पारी

के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर तंजीद हसन और शोरीफुल इस्लाम को पवेलियन भेजते हुए यह कारनामा पूरा किया। रोमारियो शेफर्ड वेस्टइंडीज के लिए टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि जेसन होल्डर ने हासिल की थी। शेफर्ड ने मैच के बाद कहा, ÷मुझे तब तक नहीं पता था कि मैंने हैट्रिक ली है, जब तक साथियों ने बताया नहीं। मैं बस आखिरी ओवर में अपनी टीम को बढ़त दिलाने पर ध्यान दे रहा था। जिस तरह से कप्तान रोस्टन और युवा ऑगस्टे ने बल्लेबाजी की, वह शानदार था। टीम का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है।÷

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही। पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन पर सिमट गई। हालांकि ओपनर तंजीद हसन ने 89 रनों की शानदार पारी खेली, मगर उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बांग्लादेश के नौ बल्लेबाज तो सिंगल डिजिट में ही आउट हो गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 16.5 ओवरों में सिर्फ पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कैरेबियाई टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर बांग्लादेश का सूपड़ा साफ किया। शेफर्ड की हैट्रिक और वेस्टइंडीज के ऑलराउंड प्रदर्शन ने इस मुकाबले को यादगार बना दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े रन मशीन बने बाबर, रोहित शर्मा को पछाड़ो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर की यह उपलब्धि उनके लगातार प्रदर्शन और बल्लेबाजी की स्थिरता का प्रमाण है, जिसने उन्हें टी20 के महान खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने साल 2016 से 2025 के बीच 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39.57 की औसत से 4,234 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और 36 अर्धशतक निकले। बाबर ने अब तक 448 चौके और 73 छक्के जड़े हैं, जो उनकी तकनीकी कुशलता और स्थिरता का प्रतीक हैं। दूसरे स्थान पर हैं भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, जिन्होंने 2007 से 2024 के बीच 159 टी20 मैच खेले और 32.05 की औसत से 4,231 रन बनाए। रोहित टी20 में पांच शतक और 32 अर्धशतक जड़ चुके हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त रूप से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी कप्तानी में भारत को विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने सीमित ओवरों के फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक पारियां खेली हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिन्हें रन मशीन कहा जाता है। उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 125 टी20 मैचों में 48.69 की शानदार औसत से 4,188 रन बनाए। कोहली के नाम एक शतक और 38 अर्धशतक दर्ज हैं। उनके बल्ले से 369 चौके और 124 छक्के निकले हैं, जो उनकी क्लास और निरंतरता को दर्शाते हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 2011 से 2025 के बीच 144 टी20 मैचों में 3,869 रन बनाए हैं। बटलर ने 35.49 की औसत से खेलते हुए एक शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, पांचवें स्थान पर आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग हैं, जिन्होंने 2009 से अब तक 153 मैचों में 3,710 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं। इस तरह बाबर आजम ने अपने निरंतर प्रदर्शन से टी20 क्रिकेट में एक और मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है।

महिला विश्वकप : भारत ट्रॉफी जीतने का पूरा हकदार: अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बनाई। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स ने 134 गेंदों में नाबाद 127 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी रन-चेज तक पहुंचाया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 89 रनों का अहम योगदान दिया, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को मात दी और फाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए दूसरे टी20 के बाद महिला टीम की इस जीत पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि पूरी पुरुष टीम ने यह मुकाबला देखा और हर किसी को महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रेरणा मिली। अभिषेक ने कहा, 'हम सभी मैच देख रहे थे। जिस तरह से भारत ने रन-चेज किया, वैसा शायद महिलाओं के क्रिकेट में पहले कभी नहीं देखा गया। जेमिमा, हरमन और स्मृति ने शानदार बल्लेबाजी की, और बीच के बल्लेबाजों ने भी बेहतरीन कैमियो खेले। पूरी टीम ने परिपक्वता और टीमवर्क दिखाया यही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही।'

भारतीय टीम की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक थी। ऑस्ट्रेलिया, जिसने पिछले 15 महिला वनडे विश्व कप मैचों में लगातार जीत दर्ज की थी, उसे भारत ने इस सेमीफाइनल में पहली बार पराजित किया। निर्णायक क्षणों में भारत की रणनीति और आत्मविश्वास ने मैच का पासा पलट दिया। मैच के अंतिम ओवरों में लिए गए कोचिंग फैसले ने टीम को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे ऑस्ट्रेलिया का घमंड टूट गया।

अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम 2 नवंबर को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल खेलेगी। घरेलू दर्शकों के समर्थन और हालिया प्रदर्शन के दम पर टीम पहली बार विश्व कप ट्रॉफी जीतने की

दहलीज पर है। अभिषेक शर्मा ने कहा, 'महिलाओं की टीम ने जो किया है, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जिस तरह खेला, उसे देखकर गर्व होता है। मुझे लगता है कि वे ट्रॉफी जीतने की पूरी तरह हकदार हैं और इस बार भारत कप अपने घर लाने वाला है।'

श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से मिली छुट्टी... फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से छुट्टी हो गई है। अय्यर 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान कैच पकड़ने के दौरान चोटिल हो गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, अब उनकी (अय्यर) हालत स्थिर है। वह अच्छी तरह से रिकवरी कर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ, उनके स्वास्थ्य लाभ से खुश है। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मैदान पर गिरने से अय्यर की स्प्लीन में गंभीर चोट आई थी, इसके बाद आंतरिक रक्तस्राव हुआ। इस चोट की तुरंत पहचान कर ली गई थी। अय्यर को आईसीयू में भर्ती कराया गया। एक मामूली सर्जरी के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद कर दिया गया। इसके साथ ही बीसीसीआई ने अय्यर का इलाज कर रहे डॉक्टर्स, खासकर सिडनी में डॉ. कौरौश हाघीगी और उनकी टीम के साथ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला का धन्यवाद किया। इस बीच, अय्यर फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले है। पूरी तरह से फिट होने के बाद ही वह भारत लौट पाएंगे। श्रेयस ने गंभीर चोट से उबरने के दौरान अपने शुभचिंतकों के समर्थन के लिए आभार जताया था। उन्होंने लिखा, मैं अभी स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया में हूं। हर गुजरते दिन के साथ बेहतर होता जा रहा हूं। शुभकामनाओं और समर्थन के लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह सच में मेरे लिए बहत मायने रखता है।

रोहन बोपन्ना ने कहा अलविदा: दो दशक लंबे सुनहरे करियर का हुआ अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनके इस ऐलान के साथ ही दो दशक से भी ज्यादा लंबे शानदार करियर का अध्याय समाप्त हो गया। 45 वर्षीय बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी।'

कर्नाटक के कूर्ग से ताल्लुक रखने वाले बोपन्ना ने अपने संघर्ष और मेहनत की यात्रा को याद करते हुए बताया कि उन्होंने लकड़ी के लट्ठे काटकर अपनी सर्विस को मजबूत किया और कॉफी के बागानों में दौड़कर अपनी फिटनेस बनाई। उनके शब्दों में झलकता है कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सपनों को पूरा करने का जुनून उन्हें आगे बढ़ाता रहा। बोपन्ना ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। इस खेल ने मुझे धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास सिखाया।'

बोपन्ना का करियर कई उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता, जबकि चार बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे। इसके अलावा, उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ एटीपी फाइनल्स में फाइनल मुकाबले खेले। 43 वर्ष की उम्र में बोपन्ना ने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई बार भारत का प्रतिनिधित्व डेविस कप और ओलंपिक खेलों में भी किया। अपना आखिरी टूर्नामेंट उन्होंने पेरिस मास्टर्स 1000 में खेला, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना के संन्यास के साथ भारतीय टेनिस में एक स्वर्णिम युग का समापन हुआ है। उन्होंने अपने जुनून, समर्पण और अनुशासन से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का रास्ता बनाया है। उनका यह सफर बताता है कि छोटे शहर से निकलकर भी अगर हिम्मत और मेहनत हो, तो दुनिया का कोई भी मंच जीतना असंभव नहीं।